3 मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने मरीजों को अपने अनुभव...
5 अब फरीदाबाद की सड़के जगमगाएंगी तिरंगे से...
7 Erosion of Ethics in the Age of Google

राष्ट्रीय सरोकारों से परिपूर्ण समाचार पत्र

मासिक समाचार पत्र

अतुल्य लोकतंत्र

Postal REGN. : L-2/Faridabad/330/2022-24

Email : atulyaloktantra09@gmail.com

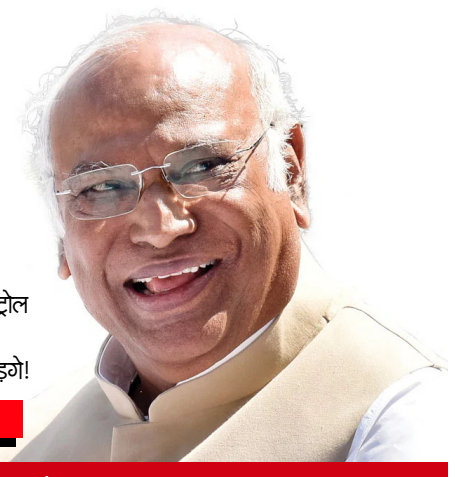

कोई रिमोट कंट्रोल अध्यक्ष नहीं मल्लिकार्जुन खड़गे!

Page-02

वर्ष : 08 | अंक : 03 | फरीदाबाद, मई , 2023 | संपादक : दीपक कुमार शर्मा | RNI NO. HARBIL/2016/74676 | Mob.: 9899222656, 8527791756 | मूल्य : 15 रुपए | पृष्ठ : 8

जेडीएस का 5 प्रतिशत वोट कांग्रेस को ट्रांसफर

राजनीति

इसी ने किया बड़ा खेल, भाजपा को वोट शेयर में नुकसान नहीं

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली शानदार जीत पार्टी के लिए बड़ी संजीवनी मानी जा रही है। जीत के जरिए कांग्रेस ने दक्षिण भारत में भाजपा के एकमात्र दुर्गों को भी ढा दिया है। कांग्रेस को इतनी बड़ी जीत हासिल हुई कि पार्टी ने भाजपा से दोगुनी से भी छह सीटें अधिक हासिल की हैं। जब कई एग्जिट पोल में कांग्रेस को इतनी बड़ी जीत मिलने का दावा किया गया था तो एकबारगी सियासी पंडितों को भी इस पर भरोसा नहीं हुआ था। वैसे कांग्रेस को मिली इतनी बड़ी जीत के पीछे जद एस का का पांच फ़ीसदी वोट कांग्रेस को ट्रांसफर होना बड़ा कारण माना जा रहा है। इस पांच फ़ीसदी वोट ने कांग्रेस को इतनी बड़ी जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। दूसरी ओर यदि भाजपा के वोट शेयर को देखा जाए तो पार्टी को एक फीसदी से भी कम का नुकसान हुआ है मगर सीटों के मामले में पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यदि कर्नाटक विधानसभा के चुनाव का वोट शेयर के लिहाज से विश्लेषण किया जाए तो बड़े दिलचस्प तथ्य उजागर होते हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 38.04 फ़ीसदी वोट हासिल हुए थे और पार्टी 78 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 43.2 फीसदी वोट हासिल करने में कामयाब रही है। इस तरह यदि 2018 के विधानसभा चुनाव से तुलना की जाए तो इस बार कांग्रेस को 5.16 फ़ीसदी ज्यादा वोट मिला है। पिछले चुनाव से पांच फीसदी से थोड़ा अधिक वोट कांग्रेस के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ है और पार्टी को 2018 की अपेक्षा 58 सीटों का फायदा हुआ है। इस बार पार्टी की सीटों की संख्या 78 से बढ़कर 136 पर पहुंच गई है।

जद एस के वोट शेयर में 5.06 की गिरावट

● भाजपा और जद एस के वोट शेयर को देखकर इस आंकड़े को और गहराई से समझा जा सकता है। जनता दल एस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में 18.36 फ़ीसदी वोट हासिल किए थे। इस वोट शेयर के साथ 2018 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को 37 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। इस बार के विधानसभा चुनाव में जद एस को 13.3 फ़ीसदी वोट हासिल हुए हैं। जनता दल एस के वोट शेयर में इस बार 5.06 फ़ीसदी की कमी दर्ज की गई है। इस कारण पार्टी की सीटों की संख्या भी घट गई है। इस बार पार्टी सिर्फ 19 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब हुई है। 2018 के विधानसभा चुनाव में किसी भी दल को बहुमत न हासिल होने पर कुमारस्वामी ने मौका भुनाया था और वे राज्य के मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हुए थे। हालांकि वे इस पद पर करीब एक साल ही रह सके थे मगर इस बार के चुनाव में उन्हें भी करारा झटका लगा है।

भाजपा को वोट शेयर में ज्यादा नुकसान नहीं

● अब यदि भाजपा के वोट शेयर को देखा जाए तो मामला और दिलचस्प हो जाता है। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 36.22 फ़ीसदी वोट हासिल हुए थे। 2018 के चुनाव में भाजपा 104 सीटों पर जीत हासिल करते हुए सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। इस बार के चुनाव में भाजपा को 35.6 फ़ीसदी वोट हासिल हुए हैं। इस तरह भाजपा के वोट शेयर में एक फ़ीसदी से भी कम 0.62 फ़ीसदी की कमी आई है।

दंभ, तथ्य और सत्य का खेला

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

आज राज की नीति हो, लोकप्रियता का क्रिकेट हो या मशक्कत भरी कुश्ती हो, सभी खेल सत्ता के दंभ में दबे दिखते है। खेलों की लोकप्रियता सत्ता को भी प्रिय और उसका मोहरा हो जाती है। जनसेवक जब खेल की सेवा करने का दावा करते हैं तो उनका आशय सिर्फ खेल की सत्ता से सत्ता का खेल खेलना भर होता है। वहीं जब खिलाड़ी खेल की सेवा करने उतरते है तो उनका आशय अपनी लोकप्रियता और धन से सत्ता की सेवा में लगने का रह जाता हैं। आखिर ये सब बेवजह का दंभ क्यों दर्शाते हैं? सत्ता का दंभ अक्सर सिर चढ़ कर बोलता है। आजकल टेलीविजन पर दिखने-दिखाने के चक्कर में दिखना-दिखावा भी ज्यादा हो रहा है। आज राज की नीति हो, लोकप्रियता का क्रिकेट हो या मशक्कत भरी कुश्ती हो, सभी खेल सत्ता के दंभ में दबे दिखते है। खेलों की लोकप्रियता सत्ता को भी प्रिय और उसका मोहरा हो जाती है। जनसेवक जब खेल की सेवा करने का दावा करते हैं तो उनका आशय सिर्फ खेल की सत्ता से सत्ता का खेल खेलना भर होता है। वहीं जब खिलाड़ी खेल की सेवा करने उतरते है तो उनका आशय अपनी लोकप्रियता और धन से सत्ता की सेवा में लगने का रह जाता हैं। ऐसा ही काफी-कुछ पिछले दिनों देखने में आया। समाज को खुद के द्वारा चुने गए जनसेवकों से और लोकप्रिय बना दिए गए खिलाड़ियों से सवाल करने होंगे। आखिर ये बेवजह का दंभ क्यों दर्शाते हैं? कुछ राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के कुश्ती पहलवानों ने भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर जघन्य आरोप लगाए हैं। जांच की मांग के साथ पहलवानी के पदक विजेता

राजधानी के जंतर-मंतर पर घरने पर बैठे है। लंबे समय से चले आ रहे कुश्ती संघ के अध्यक्ष केन्द्रीय सत्ता दल के छह बार के लोकसभा सासंद भी हैं। लोकतांत्रिक तौर पर चुने जाते रहे कुश्ती संघ अध्यक्ष पर लगते रहे आरोपों की लंबी सूची है। कुश्ती संघ अध्यक्ष ने खुद कभी पहलवानी की या नहीं, पता नहीं लेकिन अपने बाहुबल रूतबे से कुश्ती की पहलवानी कराने-चलाने की जिम्मेदारी लंबे समय से चला रहे हैं। उनके खुद के अनुसार कुश्ती लड़ने-भिड़ने का खेल है, और इसलिए, उन्हीं के जैसा बाहुबली ही इस खेल को चला सकता है। दूसरी तरफ आनंद और रोमांच से भरे शानदार प्रतिद्वंद्विता के आइपीएल क्रिकेट की भी घिनौनी तस्वीरे दिखी है। बेंगलूरू घरेलू मैच में लखनऊ से हारा तो घर पर लखनऊ भी बेंगलूरू से हार गया। मैदान पर एक-दूसरे के समर्थक, दर्शकों को दिल्ली के जांबाज क्रिकेट खिलाड़ियों ने उकसाया और भड़काया। और खुद भी लड़-भिड़ गए। खेल का मैदान गाली-गलोच से भरा गली का नुक्कड़ बना दिखा। बस हाथ-बल्ले ही नहीं चले। बाकि मैदान का माहौल पूरी तरह बदरंगा। झंझट-झगड़े के एक तरफ सफल कप्तान और महानतम्बल्लेबाज थे तो दूसरी तरफ सफल बल्लेबाज और दिल्ली से लोकसभा के सांसद। दोनों अपनी-अपनी खुन्नस में क्रिकेट देखने वालों को दंभ का बाहुबल दिखाने में लगे थे। क्रिकेट खेल भी इतना गजब है कि दोनों को खुन्नस और खुशी दर्शाने का बराबर मौका मिला। दोनों अपने अपने दंभी व्यवहार में घिरे, और चरित्र में गिरे ही नज़र आए। सवाल उठता है कि क्या लड़ाकू-जुझारू मानसिकता ही खेल की असल-सफल व्यवहारिकता है? क्यों लोकतंत्र में सत्ता को बाहुबल और भीड़तंत्र से चलाने की कोशिशें होती हैं? खेल की सत्ता क्या खेल से भी बड़ी हो सकती है? और क्यों सत्ता के खेल को खेल भावना से नहीं खेला जा सकता? खेल, प्रतिभा के खेलने से ही खिलता है। और सत्ता, सेवा के समर्पण से ही चलती है। भीड़तंत्र में भिड़ने की प्रतिभा को ही आज का मीडिया सनसनीखेज़ बना कर दर्शाता है। उसी सनसनी से बने सितारे फिर बाज़ार गणित के काम आते हैं। आम लोगों से अलग दिखने की होड़ में ही खिलाड़ी और सत्तासीन दंभ दर्शाते दिखते हैं। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि आज केवल बदरंगे सत्तासीन और मुंह-चिढ़ाऊ खिलाड़ी ही हैं। अच्छे-सच्चे जनसेवक और प्रतिभा के धनी खिलाड़ियों से ही समाज चलता-फलता-फूलता रहा है। हमारे समय में टेनिस के अगासी, सेम्प्रास, फैडरर थे, तो फुटबॉल के मेस्सी, सालाह और केविन डी ब्रुइन हैं, या फिर क्रिकेट में अपने कपिल देव, कुंबले और तेंदुलकर। ये सभी प्रतिभा के धनी और व्यवहारिकता के गुणी रहे। बेशक आज सत्तासीन में नैतिकता न दिखती हो मगर लोकतंत्र आदर्शवादिता से ही चलता है। इन खिलाड़ियों से ही खेल सफल और लोकप्रिय होता है। जनसेवकों से ही जनतंत्र जीवट और जीवित है। तभी व्हाटसअप पर किसी ने ठीक कहा-÷जो कुछ भी हम आजकल सुनते हैं, वे विचार हैं तथ्य नहीं। और जो कुछ भी हम आजकल देखते हैं, वह दृष्टिकोण है सत्य नहीं।

ममता बनर्जी ने जो शर्त रखी है, कांग्रेस के लिए उसे पूरा कर पाना संभव नहीं होगा

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

कर्नाटक चुनाव में मिली बड़ी जीत के बाद अब अखिलेश यादव से लेकर नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और शरद पवार सहित कई विपक्षी दलों के नेताओं ने कांग्रेस को आगे बढ़कर बधाई दी। लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस को बधाई देने के साथ-साथ एक कदम आगे बढ़कर यह एलान भी कर दिया कि उनकी पार्टी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन करने के लिए तैयार है लेकिन राजनीति की चतुर खिलाड़ी ममता दीदी ने इस समर्थन के बदले कांग्रेस के सामने ऐसी शर्त रख दी जिसे मानना कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी के लिए कतई संभव नहीं है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के बढ़ते कद और जनाधार से परेशान ममता बनर्जी ने बड़ा दांव खेलते हुए यह कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए जहां-जहां कांग्रेस मजबूत है वहां-वहां वो कांग्रेस का समर्थन करने के लिए तैयार है लेकिन कांग्रेस को पश्चिम बंगाल में उनके खिलाफ नहीं लड़ना चाहिए। ममता बनर्जी ने तर्क दिया कि जहां भी (जिन-जिन राज्यों में) कोई क्षेत्रीय राजनीतिक दल मजबूत होता है वहां भाजपा नहीं लड़ सकती है इसलिए वहां पर मजबूत क्षेत्रीय दल को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे कर्नाटक में कांग्रेस का समर्थन कर रही हैं लेकिन उसे (कांग्रेस) बंगाल में मेरे खिलाफ नहीं लड़ना चाहिए। क्या कांग्रेस के लिए ममता बनर्जी की इस मांग को मानना संभव है ? क्या लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने के नाम पर कांग्रेस इतनी बड़ी कुर्बानी देने को तैयार है कि वो मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रपों के हाथ में पूरा का पूरा राज्य सौंप दें ? कांग्रेस से निकल कर अपना-अपना क्षेत्रीय दल बनाकर अलग-अलग राज्यों में सरकार चला रहे अपने ही पूर्व नेताओं की वजह से कई राज्यों में पहले से ही अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस क्या अपनी बची-खुची पार्टी को भी इन क्षेत्रीय क्षत्रपों के सामने सरेंडर करने को तैयार है ?

पाकिस्तान के हालात दर्शा रहे हैं कि यह देश चार हिस्सों में बँटने जा रहा है

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी और फिर उनकी रिहाई के बाद हालात बेकाबू हो रहे हैं। इसके बाद भी उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है, क्योंकि पाकिस्तान की सर्वोच्च अदालत ने उनको प्रकरण में बरी नहीं किया है, केवल जिस स्थान से गिरफ्तार किया, वह तरीका गलत बताया है। इस दौरान पाकिस्तान में जो चला या चल रहा है, उसे किसी भी प्रकार से पाकिस्तान के लिए हितकारी नहीं माना जा सकता। तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक प्रकार से पाकिस्तान को राजनीतिक आतंक की आग में झोंकने का काम किया है। पिछले कई वर्षों से बेहद दयनीय स्थिति का सामना कर रहे पाकिस्तान में इस प्रकार के हालात उत्पन्न करना अपने स्वयं के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही कहा जाएगा। इसी कारण पाकिस्तान की स्थिति दिनों दिन और ज्यादा विकराल होती जा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार के विरोध में खतरनाक ढंग से प्रदर्शन करना कहीं न कहीं पाकिस्तान के लिए खतरे की घंटी निरूपित होता जा रहा है। इससे पाकिस्तान की स्थिति और ज्यादा खराब ही होती जाएगी। पाकिस्तान की विसंगति यही है कि वहां आतंकवाद को खुले तौर पर आश्रय दिया जाता है। आतंकी आकाओं को संरक्षण प्रदान करने वाली सरकार न चाहते हुए भी उनके संकेत पर कार्य करने के लिए विवश रहती है। इतना ही नहीं पाकिस्तान की सेना भी दूसरे देश के लिए

● इन घटनाओं से इस बात के साफ संकेत मिल रहे हैं कि पाकिस्तान बहुत बड़े गृह युद्ध की ओर कदम बढ़ा रहा है। स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो यह कहना समीचीन होगा कि पाकिस्तान में उसके ही नागरिक एक दूसरे की जान के दुश्मन बन चुके हैं। यानी आतंक भरा वातावरण तैयार करके एक दूसरे के खून के प्यासे बनते जा रहे हैं। पाकिस्तान जैसे बदहाल देश के लिए इस प्रकार की स्थिति किसी भी प्रकार से ठीक नहीं कही जा सकती, क्योंकि इस प्रकार की आपसी लड़ाई में पाकिस्तान कभी उबर नहीं सकता। वैसे यह कहा जाना तर्कसंगत ही होगा कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर हिंसा, आगजनी और पत्थरबाजी करना किसी भी समस्या का हल नहीं है, बल्कि उस समस्या को और ज्यादा विकराल बना देने जैसा ही है। उल्लेखनीय है कि विरोध प्रदर्शन में आगजनी करके शासन, प्रशासन और सेना को ही निशाना बनाने का काम किया गया है। जो यह संकेत करता है कि यह प्रदर्शन सरकार और सेना के विरोध में है।

आतंकियों जैसा ही व्यवहार करती है। आज पाकिस्तान की स्थिति को देखते हुए यह सहज ही कहा जा सकता है कि आतंक केवल आतंकवादी ही नहीं फैलाते, बल्कि हर स्तर पर आतंक का सहारा लिया जाता है। अभी जिस प्रकार से राजनीतिक प्रदर्शन किया गया, वह प्रदर्शन कम आतंक फैलाने वाला ज्यादा दिखाई दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान के लिए किसी बड़े नेता की गिरफ्तारी कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी नेताओं पर भ्रष्टाचार के मामले चले हैं। जब कोई नई सरकार बनती है कि पूर्ववर्ती सरकार के मुखिया को राजनीतिक विद्वेष का शिकार होना पड़ा है। वर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भाई नवाज शरीफ भी इसके शिकार हो चुके हैं। स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो यही कहना तर्कसंगत होगा कि पूरा पाकिस्तान राजनीतिक विद्वेष की अवधारणा को लेकर ही राजनीति कर रहा है। जहां तक पाकिस्तान की सेना की बात है तो यह सर्वविदित है कि सेना के संरक्षण में ही पाकिस्तान की सरकार बनती है, जैसे ही सरकार सेना के विरोध में आती है, तब पाकिस्तान की सरकार का या तो तख्तापलट हो जाता है या फिर सेना किसी दूसरे दलों को समर्थन देकर नई सरकार बनवा देती है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में जब इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सत्ता में आई थी, तब इमरान खान की पार्टी को कुछ दलों के साथ स्पष्ट बहुमत मिला था, इस समय सेना का पूरा समर्थन इमरान को प्राप्त था। आज से एक साल पूर्व पाकिस्तान की इमरान खान सरकार को सत्ता से बेदखल कर शहबाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने। इमरान खान के समर्थन में इस बार का प्रदर्शन खतरनाक स्थिति में है। इस बात का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि आगजनी की घटनाओं के बाद पूरे पाकिस्तान में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। वहां सरकारी वाहनों पर खतरनाक ढंग से पत्थरबाजी की जा रही है। जिससे जहां एक ओर आठ से ज्यादा नागरिक और कार्यकर्ता मारे गए हैं, वहीं कई घायल भी हुए हैं।

भाजपा ने ध्यान नहीं दिया तो कर्नाटक की तरह मध्य प्रदेश की सत्ता भी उसके हाथ से फिसल सकती है

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की ताजपोशी तय हो चुकी है। लेकिन अब मध्य प्रदेश में क्या? यह सवाल भाजपा के आत्म-मंथन के लिए आवश्यक है। और कर्नाटक चुनाव से प्रदेश के भाजपाइयों को सबक सीखना चाहिए। क्योंकि सत्ता और पद की अकड़- ठसक छोड़ लूप होल्स सुधारे बिना भाजपा की डगर में मुश्किलें हो सकती हैं। क्योंकि लच्छेदार भाषणों की घुट्टी पिलाने से काम नहीं चलने वाला है। बल्कि भाजपा को जनता की नब्ज भांपनी पड़ेगी। हिमाचल में पुरानी पेंशन के बाद अब कर्नाटक की जीत के साथ– म.प्र. में कांग्रेस पुरानी पेंशन के नाम पर कर्मचारियों को टारगेट कर चल रही है। भाजपा का कोर वोटर माना जाने वाला यह कर्मचारी तबका, साइलेंटली कांग्रेस की ओर शिफ्ट हो सकता है। और इससे भाजपा की सियासी जमीन भी खिसकने के पर्याप्त आसार हैं। भाजपा को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उसके नेताओं / मन्त्रियों द्वारा पूरे कार्यकाल मे विचारधारा को फॉर ग्राण्टेड लिया गया और चुनाव नजदीक आते ही विचारधारा की शरणस्थली में जाने से हर चीजें नहीं सुधर सकती हैं। कांग्रेस सरकारों में जहां पूरी प्रशासनिक मशीनरी-कांग्रेस के मॉड्यूल पर चलती है। वहीं भाजपा सरकार में राजधानी से लेकर जिलों तक की प्रशासनिक मशीनरी भाजपा की विचारधारा को अक्सर ठेंगा दिखाती रहती है। और भाजपाई

खुशफहमी पाले रहते हैं। लेकिन भाजपाई शायद यह भूल जाते हैं कि भाजपा को यदि किसी ने बनाया है, तो वह उसकी विचारधारा ही है। और जब-जब भाजपा ने विचार धारा को हल्के में लिया है, तब तब उसका दुष्परिणाम उसे भुगतना पड़ा है। भ्रष्टाचार में आकण्ठ तक डूबे रिश्वतखोर अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधिगणों पर कहीं लगाम नहीं दिखती है। इन सबके चलते ही जनता परेशान होती है, लेकिन उसकी कहीं सुनवाई नहीं होती है। और आपके अफसर फाईलों में, आंकड़ों की %चिड़िया% बैठाकर सब सोने पर सुहागा कर देते हैं। ऑल इज वेल की फाईलें थमा देते हैं। इससे सरकार भी खुश हो जाती है। और अफसर भी खुश हो जाते हैं। लेकिन भाजपा को इस यक्ष प्रश्न का उत्तर ढूँढ़ना पड़ेगा कि क्या अफसरों की कारगुजारियों के आंकड़े सरकार सुरक्षित रखती है? भाजपा की राज्य सरकारों को यह सोचना पड़ेगा कि हर चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर ही क्यों लड़ा जाए? प्रधानमंत्री मोदी आपको लोकसभा की सौगातें दें और फिर आपके सिर में विधानसभा चुनाव की भी पगड़ी बांधें? क्या राज्य सरकारों को सत्ता की हनक में अपना आत्मावलोकन करने का समय नहीं रहता। क्या आप जमीनी कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेना उचित नहीं समझते हैं? और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों से लेकर विधायक, सांसद, मन्त्रियों को केवल चमक-दमक में ही डूबे रहना पसंद है? जनता की एक एक मुसीबत एंटी इनकम्बेंसी तैयार करती है। और फिर उसका विस्फोट सीधे ईवीएम में कैद होता है। कर्नाटक का चुनाव बहुत कुछ कह रहा है। अगर भाजपाई सम्हले तो सम्हल जाएंगे... वर्ना कुछ कहा नहीं जा सकता है। वहीं सरकार की पावर के दम पर विभिन्न जिलों में जुटाई जाने वाली भीड़ कभी भी कोई फायदा नहीं पहुंचाती है। क्योंकि सभाओं में पावर और पैसे से भीड़ का मैनेजमेंट तो अवश्य ही किया जा सकता है, लेकिन उसे वोट में बदल पाना बड़ा मुश्किल होता है। यह तथ्य जितना जल्दी भाजपा दिमाग में बिठा ले, यह उसके लिए उतना ही फायदेमंद हो सकता है। साथ ही %पार्टी विथ डिफरेंस% का नारा बुलंद करने वाली भाजपा को संगठनात्मक अनुशासन की मजबूती दिखाने में दिलचस्पी दिखानी चाहिए। क्योंकि हर विधानसभा में जितने गली-मुहल्ले, उतने विधानसभा चुनाव के दावेदार तैयार बैठे हैं। जो चुनाव में भाजपा को काफ़ी ज़्यादा डैमेज करने वाले साबित हो सकते हैं।

बदलते दौर में पिछड़ती महिलाएं

● मध्यप्रदेश का 'डिजिटल सखी' अभियान इस दिशा में प्रेरणादायक कहानी बयान करता है, क्योंकि इस अभियान के माध्यम से युवतियां स्मार्टफोन के जरिए भेदभावपूर्ण सामाजिक मानदंडों को चुनौती दे रही हैं और समाज में व्याप्त डिजिटल लैंगिक भेदभाव को दूर करने की अलख जगा रही हैं। साथ ही प्रधानमंत्री ने 'महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास' के महत्त्व पर जोर दिया है, क्योंकि भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए जी-20 का आधिकारिक जुड़ाव मंच से अपनी पांच प्राथमिकताओं में से एक के रूप में 'लैंगिक डिजिटल विभाजन को पाटना' है। ऐसे में महिलाओं तक इंटरनेट और मोबाइल की पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है। बशर्ते इन साधनों का अपने और समाज के विकास में योगदान होना चाहिए।

आंकड़ों के मुताबिक विकासशील देशों में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं की इंटरनेट तक पहुंच काफी कम है। तिरपन फीसद पुरुषों की तुलना में केवल इकतालीस फीसद महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं। साथ ही महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने की संभावना बीस फीसद कम है। महिला सशक्तिकरण एक ऐसी अनिवार्यता है, जिसकी अवहेलना किसी भी समाज और देश के विकास की गति को धीमा कर सकती है। ऐसे में महिलाओं को समान अवसर उपलब्ध कराना समाज और सरकारों की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मगर इक्कीसवीं सदी के भारत में क्या महिलाओं को वे अवसर मिल रहे हैं, जिससे देश या विश्व कल्याण की दिशा में आगे बढ़ा जा सके? यह सबसे ज्वलंत सवाल है। आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं, मगर इस युग में सूचना और संचार माध्यमों तक महिलाओं की सीमित पहुंच चिंता का एक विषय है। सूचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, ई-कामर्स और वित्तीय सेवाओं के लिए मोबाइल और इंटरनेट तक पहुंच आज की आवश्यकता है। मगर डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने वाली वैश्विक संस्था जीएसएमए द्वारा जारी 'मोबाइल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2022' में यह तथ्य उजागर हुआ है कि देश एक बड़े डिजिटल विभाजन के दौर से गुजर रहा है। रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल और इंटरनेट तक पहुंच के बिना ऐसे लोगों के और पीछे छूट जाने का खतरा है, जिसमें खासकर आधी आबादी शामिल है। गौरतलब है कि डिजिटल पहुंच का यह अंतर महिला सशक्तिकरण में बाधक बन रहा है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और बेहतर स्वास्थ्य के अवसरों से दूर कर रहा है। यहां तक कि सामाजिक हिस्सेदारी में भी पिछड़ापन साफ नजर आता है। कई बार महिलाएं इंटरनेट का इस्तेमाल तो करना चाहती हैं, पर सामाजिक परिवेश महिलाओं को इसकी इजाजत नहीं देता। एशियन डेवलपमेंट बैंक और सोशल नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' की 2022 की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार इस अंतर का यह अर्थ भी है कि महिलाएं श्रम बाजार में उन अवसरों से वंचित रह जाती हैं, जहां डिजिटल कुशलता की मांग होती है। ऐसी परिस्थिति में कार्यक्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व संकुचित हो जाता है। इसकी वजह से उन्हें न तो अच्छी नौकरी मिल पाती है और न ही उचित वेतन। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार देश में सिर्फ 54 फीसद महिलाओं के पास मोबाइल फोन है। वहीं 33 फीसद

महिलाएं ही इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं। यह स्थिति और दयनीय तब हो जाती है, जब यह पता चलता है कि इनमें से केवल 22.5 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल फोन से वित्तीय लेनदेन करती हैं। इन वजहों से महिलाएं समाज में काफी पीछे छूट जाती हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने लैंगिक डिजिटल भेदभाव को असमानता का नया चेहरा बताया है। उनका कहना है कि 'महिलाएं भेदभाव के नए तरीके का सामना कर रही हैं और डिजिटल दुनिया पर पुरुषों का वर्चस्व आने वाले समय में मुश्किलें पैदा कर सकता है।' ऐसे में दुनिया और खासकर अपना देश आधुनिक होने का चाहे जितना दिखावा कर ले, लेकिन धरातल पर महिलाओं की स्थिति हर मामले में आज भी पुरुषों से कमतर है। बात जब आधी आबादी से जुड़े अधिकारों की होती है, तो समूचे विश्व में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार साफ देखा जा सकता है। महिलाओं से यही अपेक्षा की जाती है कि वे घर-परिवार की देखभाल करें, घर की चारदीवारी में सीमित रहें। महिलाओं को इंटरनेट और मोबाइल से दूर रखने के कारण भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रेरित लगते हैं। भारत का डिजिटल लैंगिक अंतर मुख्य रूप से तीन कारकों का परिणाम है। इसमें पहला ग्रामीण-शहरी विभाजन है, दूसरा आय-आधारित विभाजन और तीसरा सामाजिक कारण है। सब जानते हैं कि देश में मोबाइल फोन को शादी से पहले महिलाओं की प्रतिष्ठा से जोड़ कर देखा जाता है। शहरों में इस दिशा में भले सोच में कुछ परिवर्तन देखने को मिल सकता है, लेकिन दूरदराज क्षेत्रों में शादी के बाद ही अक्सर मोबाइल फोन रखने की इजाजत महिलाओं को होती है। यहां तक कि महिलाओं की आनलाइन गतिविधियों पर अक्सर पुरुषों का नियंत्रण रहता है। महिलाओं का इंटरनेट के प्रति झुकाव कम होने का आर्थिक कारण भी है। एक आंकड़े के अनुसार अगर कोई परिवार मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करता है, तो उसे कम से कम अपनी मासिक आय का तीन प्रतिशत इस पर खर्च करना पड़ सकता है, जो किसी भी कम आय वाले परिवार के लिए बहुत अधिक है। ऐसे में महिलाएं आर्थिक दबाव के कारण भी संचार तकनीक के मामले में पीछे छूट जाती हैं। एक अन्य अध्ययन में कहा गया है कि महिलाओं को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से रोका जाता है। महिलाएं इक्कीसवीं सदी में भी डिजिटल मंचों का इस्तेमाल करने में पुरुषों की तुलना में कोसों दूर हैं। ऐसे में भले दुनिया भर में महिला पुरुष समानता की बात हो रही है और हमारे संविधान की धारा 14 से 18 तक में समान अधिकारों की बात कही गई है, पर समाज में पुरुषवादी वर्चस्व किसी से छिपा नहीं है। तभी तो महिलाओं के पास फोन तो है, पर डेटा उपलब्धता के मामले में साफ पिछड़ापन देखा जा सकता है। 'यूएन वुमन जेंडर स्नैपशाट 2022' की रिपोर्ट की मानें तो लैंगिक डिजिटल विभाजन, डिजिटल दुनिया में महिलाओं को शामिल न करने से कम और मध्यम आय वाले देशों को जीडीपी में पिछले दस सालों में एक खरब डालर नुकसान का अनुमान है। रिपोर्ट में इस बात की भी चेतावनी दी गई है कि अगर इस समस्या को समय रहते दूर नहीं किया गया, तो यह नुकसान 2025 तक डेढ़ खरब डालर तक पहुंच सकता है। देखा जाए तो वर्तमान दौर में रोटी, कपड़ा और मकान के बाद मोबाइल फोन और इंटरनेट लोगों की बुनियादी जरूरतों में शामिल हो चुका है। बावजूद इसके, घर की महिलाएं इंटरनेट की पहुंच से काफी दूर हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक डिजिटल तकनीक दुनिया भर में नब्बे फीसद नौकरियों का अभिन्न अंग है, मगर ये नौकरियां केवल डिजिटल रूप से सक्षम और महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए अधिक उपलब्ध हैं। स्वाभाविक है कि अगर महिलाएं डिजिटल रूप से सक्षम नहीं होंगी, तो उनके लिए काम के अवसर भी कम होंगे। आंकड़ों के मुताबिक विकासशील देशों में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं की इंटरनेट तक पहुंच काफी कम है। तिरपन फीसद पुरुषों की तुलना में केवल इकतालीस फीसद महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं। साथ ही महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने की संभावना बीस प्रतिशत कम है और परिवार के पुरुष सदस्यों से फोन उधार लेने की संभावना अधिक है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लड़कियों की तुलना में लड़कों के पास स्मार्टफोन होने की संभावना अधिक होती है। ऐसे में वक्त का तकाजा यही है कि आधी आबादी तक डिजिटल तकनीक की पहुंच सुनिश्चित कराई जाए, क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत की है और इसमें लगभग आधी महिलाएं और लड़कियां हैं। मध्यप्रदेश का 'डिजिटल सखी' अभियान इस दिशा में प्रेरणादायक कहानी बयान करता है, क्योंकि इस अभियान के माध्यम से युवतियां स्मार्टफोन के जरिए भेदभावपूर्ण सामाजिक मानदंडों को चुनौती दे रही हैं और समाज में व्याप्त डिजिटल लैंगिक भेदभाव को दूर करने की अलख जगा रही हैं। साथ ही प्रधानमंत्री ने 'महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास' के महत्त्व पर जोर दिया है, क्योंकि भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए जी-20 का आधिकारिक जुड़ाव मंच से अपनी पांच प्राथमिकताओं में से एक के रूप में 'लैंगिक डिजिटल विभाजन को पाटना' है। ऐसे में महिलाओं तक इंटरनेट और मोबाइल की पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है। बशर्ते इन साधनों का अपने और समाज के विकास में योगदान होना चाहिए।

संपादकीय

जनादेश और संदेश

इसकी पृष्ठभूमि काफी पहले से बननी शुरू हो गई थी। इससे कांग्रेस को स्वाभाविक रूप से पुनर्जीवन मिला है। इसे लेकर वह काफी आशान्वित भी थी। सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत से कहीं अधिक सीटें उसे मिली हैं, इस तरह उसके भविष्य को लेकर फिलहाल कोई आशंका नहीं है। इन नतीजों का विश्लेषण कई लोग अगले साल होने वाले आम चुनाव पर पड़ने वाले असर के पैमाने के रूप में कर रहे हैं। मगर लोकतंत्र में हर चुनाव की स्थितियां भिन्न होती हैं और उन्हें परस्पर जोड़ कर देखना कई बार धोखादेह साबित हो सकता है। हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कर्नाटक चुनाव परिणाम भाजपा के लिए खतरे की घंटी की तरह आए हैं। उसने चुनाव प्रचार में अपनी सारी ताकत झोंक दी थी, मतदाताओं को अपनी तरफ खींचने का हर तरीका आजमाने की कोशिश की, मगर कामयाब नहीं हो

दीपक कुमार शर्मा

पाई, तो उसकी वजहें भी साफ हैं। दरअसल, लोगों ने पहले ही मन बना लिया था कि भाजपा को सत्ता में नहीं आने देना है। जब मतदाता का ऐसा रुझान होता है, तो राजनीतिक दल चाहे, जितने भी तरीके आजमा लें, जितनी भी ताकत झोंक लें, उन्हें कामयाबी नहीं मिल पाती। हिमाचल प्रदेश में भी यही हुआ। दरअसल, कर्नाटक में भाजपा सरकार के कामकाज को लेकर लोग खुश नहीं थे। सबसे अधिक नाराजगी भ्रष्टाचार की वजह से थी। चालीस प्रतिशत कमीशन की सरकार का जुमला उस पर काफी भारी पड़ा। सत्तापक्ष के कई नेता भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त पाए गए थे। फिर बेरोजगारी और महंगाई का मुद्दा भी भाजपा के खिलाफ गया। ये कुछ दाग ऐसे थे, जिन्हें धोना भाजपा के लिए आसान नहीं था, इसलिए उसने विकास का मुद्दा उठाया ही नहीं, जिसका बखान वह दूसरे राज्यों के चुनाव में करती रहती है। धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने का प्रयास करती रही, जो उसके खिलाफ ही गया। इसके उलट कांग्रेस बुनियादी और स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित रही। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के समय ही कर्नाटक के लोगों का रुझान पता चल गया था। फिर सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार जैसे कद्दावर नेताओं ने संगठित होकर जिस तरह काम किया, उसका प्रभाव पड़ा और कांग्रेस को उसका लाभ मिला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का प्रभाव भी काम आया। इसके उलट, भाजपा में शुरू से ही असंतोष नजर आने लगा था। उसके कई वरिष्ठ नेता चुनाव के समय पार्टी छोड़ गए। हालांकि कुछ लोग इन नतीजों को जातीय समीकरण के आधार पर हल करते देखे जा रहे हैं, मगर इसमें जद (सेकु) की फजीहत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दरअसल, कांग्रेस को सभी समुदायों का मत मिला। इस तरह स्पष्ट है कि कर्नाटक में कांग्रेस ने फिर से अपनी पुरानी जमीन वापस पाने में कामयाबी हासिल की है। उसे न केवल अल्पसंख्यकों, बल्कि अन्य पिछड़ी जातियों और दलित वर्ग का भी समर्थन हासिल हुआ है।

झूठ की आईटी सेलो से भारत का क्या बनेगा?

समझ में नहीं आता कि सैंकड़ों करोड़ रुपये खर्च करके आईटी सेल चलाने वाले राजनैतिक संगठन या दल ऐसा झूठ फैला कर क्या हासिल करना चाहते हैं? इससे उनकी विश्वसनीयता तेज़ी से घटती जा रही है। वो दिन दूर नहीं जब ऐसा भ्रम फैलाने वालों की भी वही गति होगी जो उस भेड़ चराने वाले लड़के की हुई थी जो बार-बार झूठा शोर मचाता था, ÷बचाओ-बचाओ भेड़िया आया। भारत की सनातन वैदिक संस्कृति अनेक अर्थों में विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है। क्योंकि ये व्यक्ति, पर्यावरण व समाज के बीच संतुलन पर आधारित जीवन मूल्यों की स्थापना करती है। भारत विश्व गुरु था इसके तमाम ऐतिहासिक प्रमाण हैं जिन्हें हज़ारों वर्षों से भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों ने अपने लेखन में उल्लेख किया है। विसंगतियां भी हर समाज में होती हैं। भारत इसका अपवाद नहीं है। यह भी सही है कि अंग्रेज इतिहासकारों और आज़ादी के बाद वामपंथी इतिहासकारों ने ऐतिहासिक तथ्यों को अपनी विचारधारा के अनुरूप तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। इसलिए सनातनी मानसिकता के लोगों के मन में ये बात हमेशा से बैठी रही कि उनके इतिहास के साथ न्याय नहीं हुआ। अचानक 2014 से ये दबी भावनाएँ अब मुखर हो गई हैं। अपने धर्म, संस्कृति और इतिहास की श्रेष्ठता को बताना और स्थापित करने में कोई बुराई नहीं है। ये किया ही जाना चाहिए। पर ऐसा करते समय उत्साह के अतिरेक में अगर हम तथ्यों से छेड़छाड़ करेंगे, अपने विपक्षियों के ऊपर हमला करते समय उनकी उपलब्धियों को वैसे ही छिपाएँगे जैसे वे करते आए हैं और उन पर झूठे आरोप मढ़ कर या उन्हें बदनाम करने की दृष्टि से उन पर हमला करेंगे, तो हमारी ये क़वायद सफल नहीं होगी। हम उपहास के पात्र बनेंगे। हमारे दावों की पुष्टि न हो पाने पर हम झूठे सिद्ध हो जाएँगे और फिर हमारी सही बात भी ग़लत कही जाएगी। आज के दौर में सूचना तकनीकी का इतना विस्तार हो गया है कि दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति किसी भी दावे की वैधता को क्षणों में

चुनौती दे सकता है, अगर वो दावा सत्य नहीं है। ट्विटर पर पोस्टों को खंगालते समय मेरी निगाह 'सनातनी पूर्णिमा' की इस पोस्ट पर अटक गई, जिसमें लिखा था, वियतनाम विश्व का एक छोटा सा देश है जिसने अमेरिका जैसे बड़े बलशाली देश को झुका दिया। लगभग बीस वर्षों तक चले युद्ध में अमेरिका पराजित हुआ। अमेरिका पर विजय के बाद वियतनाम के राष्ट्राध्यक्ष से एक पत्रकार ने एक सवाल पूछाज आप युद्ध कैसे जीते या अमेरिका को कैसे झुका दिया? उत्तर सुनकर आप हैरान रह जायेंगे और आपका सीना भी गर्व से भर जायेगा। उत्तर था, ÷सभी देशों में सबसे शक्ति शाली देश अमेरिका को हराने के लिए मैंने एक महान व श्रेष्ठ भारतीय राजा का चरित्र पढ़ा और उस जीवनी से मिली प्रेरणा व युद्धनीति का प्रयोग कर हमने सरलता से विजय प्राप्त की÷। आगे पत्रकार ने पूछा, कौन थे वो महान राजा? वियतनाम के राष्ट्राध्यक्ष ने खड़े होकर जवाब दिया, ÷वो थे भारत के राजस्थान में मेवाड़ के महाराजा महाराणा प्रताप सिंह÷ (ये सिंह कब से जुड़ गया?)। महाराणा प्रताप का नाम लेते समय उनकी आँखों में एक वीरता भरी चमक थी, आगे उन्होंने कहा, ÷अगर ऐसे राजा ने हमारे देश में जन्म लिया होता तो हमने सारे विश्व पर राज किया होता।÷ कुछ वर्षों के बाद उस राष्ट्राध्यक्ष की मृत्यु हुई तो जानिए उसने अपनी समाधि पर क्या लिखवाया, ÷यह महाराणा प्रताप के एक शिष्य की समाधि है÷। कालांतर में वियतनाम के विदेशमंत्री भारत के दौरे पर आए थे। पूर्व नियोजित कार्य क्रमानुसार उन्हें पहले लाल किला व बाद में गांधीजी की समाधि दिखलाई गई। ये सब दिखलाते हुए उन्होंने पूछा ÷मेवाड़ के महाराजा महाराणा प्रताप की समाधि कहाँ है?÷ तब भारत सरकार के अधिकारी चकित रह गए, और उन्होंने वहाँ उदयपुर का उल्लेख किया। वियतनाम के विदेशमंत्री उदयपुर गये, वहाँ उन्होंने महाराणा प्रताप की समाधि के दर्शन किये। समाधि के दर्शन करने के बाद उन्होंने समाधि के पास की मिट्टी उठाई और उसे अपने बैग में भर लिया। इस पर पत्रकार ने मिट्टी रखने का कारण पूछा। उन विदेशमंत्री महोदय ने कहा ÷ये मिट्टी शूरवीरों की है इस मिट्टी में एक महान् राजा ने जन्म लिया ये मिट्टी मैं अपने देश की मिट्टी में मिला दूंगा ताकि मेरे देश में भी ऐसे ही वीर पैदा हों। मेरा यह राजा केवल भारत का गर्व न होकर सम्पूर्ण विश्व का गर्व होना चाहिए÷। इस पोस्ट को पढ़ कर उत्साही लोगों ने बढ़-चढ़ कर हर्ष और गर्व अभिव्यक्त करना शुरू कर दिया। उत्सुकतावश मैंने भी गूगल पर जा कर जब खोज की तो पता चला कि जो सूचना दी गयी है उसमें वियतनाम के ऐसे किसी राष्ट्रपति का ज़िक्र नहीं है जो महाराणा प्रताप से प्रेरित रहा हो या उनका विदेश मंत्री उदयपुर गया हो। तब मैंने इस दावे के प्रमाण की माँग करते हुए अपनी प्रतिक्रिया लिखी। कुछ और खोज करने पर पता चला कि पिछले वर्ष ऐसा ही दावा छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में भी किया गया था। उसमें भी प्रमाण माँगने पर दावा करने वाला प्रमाण नहीं दे पाया। वियतनाम घूम कर आए एक व्यक्ति ने तो साफ़ लिखा कि वियतनाम में ऐसी किसी घटना की कोई जानकारी नहीं है। एक और व्यक्ति ने लिखा की वियतनाम के संघर्ष के नेता और लंबे समय तक वहाँ के प्रधान मंत्री रहे हो चि मिन्ह धुर वामपंथी थे और उनके किसी लेख या भाषण में महाराणा प्रताप या शिवाजी का कोई उल्लेख नहीं है। इससे तो यही सिद्ध होता है कि ये 'ह्वाट्सऐप विश्वविद्यालय' की ही खोज है जिसका तथ्यों से कोई लेना-देना नहीं है। वियतनाम का तो ये एक उदाहरण है। अपने राजनैतिक विरोधियों की छवि नष्ट करने के लिए और उनकी उपलब्धियों को नकारने के लिए ऐसी पोस्ट सारा दिन दर्जनों की तादाद में आती रहती हैं। बिना उनकी सत्यता परखे समाज का एक हिस्सा उन्हें फॉरवर्ड करने में जुट जाता है। जिससे कुछ समय बाद झूठ सच लगने लगता है। पर जब कोई ऐसे मूर्खतापूर्ण व द्वेषपूर्ण दावों की पड़ताल करता है और उन्हें झूठा सिद्ध कर देता है तो सामने की तरफ़ सन्नाटा छ जाता है। न उत्तर दिया जाता है और न ही अपने अपराध के लिए क्षमा माँगी जाती है। ये सिलसिला यूँ ही चलता जा रहा है। समझ में नहीं आता कि सैंकड़ों करोड़ रुपये खर्च करके आईटी सेल चलाने वाले राजनैतिक संगठन या दल ऐसा झूठ फैला कर क्या हासिल करना चाहते हैं? इससे उनकी विश्वसनीयता तेज़ी से घटती जा रही है। वो दिन दूर नहीं जब ऐसा भ्रम फैलाने वालों की भी वही गति होगी जो उस भेड़ चराने वाले लड़के की हुई थी जो बार-बार झूठा शोर मचाता था, ÷बचाओ-बचाओ भेड़िया आया।

कोई रिमोट कंट्रोल अध्यक्ष नहीं मल्लिकार्जुन खड़गे!

कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित जीत ने सिर्फ पार्टी को एक सियासी बूस्टर डोज देने का काम नहीं किया है, इस चुनाव ने कई दूसरे चीजों को साबित भी कर दिया है। असल में ये चुनाव जितना कांग्रेस पार्टी के लिए जरूरी बताया जा रहा था, उतना ही जरूरी ये अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए रहा। असल में पिछले साल 26 अक्टूबर को मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के अध्यक्ष बनाए गए थे। दो दशक बाद ऐसा मौका आया था जब किसी गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति को ये पद दिया गया हो। लेकिन तब जानकार मानकर चल रहे थे कि खड़गे 'रिमोट कंट्रोल' अध्यक्ष होंगे और असली पावर गांधी परिवार के पास ही रहने वाली है। अब कर्नाटक चुनाव के जो नतीजे आए हैं, उन्होंने उन जानकरों को आत्ममंथन करने के लिए एक और मौका दे दिया है। कांग्रेस की इस प्रचंड जीत ने साबित कर दिया है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ही कर्नाटक में कांग्रेस के लिए वो एक्स फैक्टर साबित हुए जिस वजह से पार्टी को निर्णायक बढ़त मिली और उसने आसानी से बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया। इस चुनाव में कांग्रेस की झोली में 135 सीटें गई हैं, वहीं बीजेपी के रथ को 65 सीटों पर रोक दिया गया और जेडीएस 19 सीटों पर सिमट कर रह गई।

दलितों का पूरा समर्थन, खेल तो खड़गे ने ही किया

इस जीत में मल्लिकार्जुन खड़गे की निर्णायक भूमिका इसलिए मानी जा रही है क्योंकि इस चुनाव में कांग्रेस को दलित वोटरों का खुलकर साथ मिला है। पिछले कुछ सालों में ये देखा गया है कि समुदाय बीजेपी की ओर शिफ्ट हुआ है। पीएम मोदी की कई योजनाओं ने 2014 के बाद से इस वोटर को बीजेपी के पाले में लाकर खड़ा कर दिया है। कई चुनावों में यहीं ट्रेंड देखने को भी मिल रहा था, पिछले कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भी दलितों का अच्छा खासा वोट बीजेपी के पास गया था। लेकिन इस बार तस्वीर बदल गई है, कर्नाटक की जो आरक्षित सीटें हैं, वहां पर

कांग्रेस का प्रदर्शन बीजेपी के मुकाबले काफी बेहतर रहा है। कर्नाटक में 36 सीटें अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व्ड हैं, यहां पर इस बार कांग्रेस ने 21 सीटें जीती हैं और बीजेपी को सिर्फ 12 सीटों पर रोक दिया है। इसी तरह अनुसूचित जनजाति की कर्नाटक में 15 सीटें आरक्षित हैं, आंकड़े बताते हैं कि यहां पर पूरी तरह कांग्रेस का दबदबा रहा है। उसने 14 सीटें अपने नाम की हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में इन्हीं 36 सीटें आरक्षित सीटों पर बीजेपी का बोलबाला था। उसने 17 सीटें जीत ली थीं, वहीं तब कांग्रेस सिर्फ 12 सीटें जीत पाई थी, यानी इस बार गेम पूरी तरह पलट गया है। हैदराबाद कर्नाटक में दलित वोट सबसे ज्यादा निर्णायक है, यहां की 31 सीटों में से कांग्रेस ने 16 पर जीत दर्ज की है, वहीं बीजेपी का आंकड़ा 10 पर रुक गया है। इसी तरह मुंबई कर्नाटक जो बीजेपी का गढ़ माना जा सकता है, वहां पर 50 सीटों में से कांग्रेस ने इस बार 31 सीटें अपनी झोली में डाली हैं और बीजेपी को सिर्फ 17 सीटें मिली हैं। ये अपने आप में बताने के लिए काफी है कि दलित बहुल इलाकों में इस बार कांग्रेस का स्ट्राइक रेट बीजेपी से काफी बेहतर रहा है। अब इस बेहतर स्ट्राइक रेट का श्रेय मल्लिकार्जुन खड़गे को इसलिए दिया जा सकता है क्योंकि उन्होंने राज्य में कुल 39 रैलियां की थी। वहां भी रणनीति के तहत दलित बहुल इलाकों में उनकी सभाएं ज्यादा देखने को मिलीं। अब पार्टी को इसका पूरा फायदा मिला है। वैसे कर्नाटक में कांग्रेस के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे सिर्फ एक बड़ा दलित चेहरा नहीं हैं। उनके पास इस राज्य में इतने सालों का एक ऐसा अनुभव है, जो इस बार पार्टी के बहुत काम आया है। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि कांग्रेस को अंदरूनी लड़ाई की वजह से पंजाब में सत्ता गंवानी पड़ी थी, इसी तरह गुजरात में भी उसका हाल बुरा हो गया था। लेकिन कर्नाटक में डीके बनाम सिद्धारमैया की जंग को खड़गे ने अपने अनुभव से ठंडा कर दिया, उसी का नतीजा है कि इस चुनाव में कांग्रेस को सिद्धारमैया और डीके के सियासी डबल इंजन का पूरा फायदा मिल गया है। लेकिन असल किंग तो इस वजह से मल्लिकार्जुन खड़गे ही बन गए हैं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक दीपक कुमार शर्मा द्वारा जॉय प्रिंटर्स प्लॉट नं 3जी -142, एनआईटी फरीदाबाद से मुद्रित एवं 903 सैक्टर-8, फरीदाबाद 121006 (हरियाणा) से प्रकाशित।
संपादक- दीपक कुमार शर्मा
RNI No. HARBIL/2016/74676
Mob. 8527791656, 9899222656,

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने मरीजों को अपने अनुभव साझा करने एवं जागरूकता बढ़ाने के लिए आमंत्रित कर मनाया 'सफल लिवर प्रत्यारोपण का जश्न'

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

फरीदाबाद। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद ने सर्जरी से पहले और बाद में अपने अनुभवों को साझा करने के लिए मरीजों को आमंत्रित करके लिवर प्रत्यारोपण की सफलता का जश्न मनाया। इस मौके पर मरीजों को एक ऐसा मंच मिला जहां उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों को साझा किया कि वे लीवर ट्रांसप्लांट टीम के साथ कैसे जुड़े, सर्जरी के बाद उनकी जीवन शैली क्या है, और समाज को उनका इतना कहना है कि स्वास्थ्य कितना महत्वपूर्ण है और स्वास्थ्य चुनौतियों से मुक्त जीवन कितना बेहतरीन है। मरीजों के साथ टीम का नेतृत्व मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में लिवर ट्रांसप्लांट विभाग के डायरेक्टर एवं एचओडी डॉ. पुनीत सिंगला ने किया। उनके साथ डॉ ऋषभ जैन, डायरेक्टर, एनेस्थेटिस्ट और आईसीयू केयर, और सर्जरी, एनेस्थीसिया और आईसीयू में टीम के अन्य सदस्य शामिल हुए। लिवर व्यक्ति के शरीर में सबसे बड़े अंगों में से एक है और भोजन का पाचन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मेटाबॉलिज्म (भोजन को पचाकर ऊर्जा में बदलने की प्रक्रिया) को ठीक बनाए रखने, रक्त को शुद्ध बनाने और विषाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने, विटामिन और खनिजों को जमा करने और शरीर में पोषक तत्वों को इकट्ठा करने जैसे कुछ सबसे महत्वपूर्ण कार्य करता है। लिवर के ये सभी फंक्शन विभिन्न कार्यों और गतिविधियों को करने के लिए शरीर को ऊर्जा प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। लिवर खराब होने की आखिरी स्टेज में मरीज को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है। ट्रांसप्लांट की नौबत जीवनशैली से जुडी कुछ स्वास्थ्य समस्याओं (मोटापा, हाई, डायबिटीज), संक्रमण की चपेट में आने और लिवर की बीमारी के कारण भी आ सकती है। पंजाब से क्रॉनिक लिवर फेलियर, किडनी फेलियर, कोविड, मल्टीपल बीपी सपोर्ट मेडिसिन और पेट की दीवार से खून बहने की समस्या के साथ 40 वर्षीय सतविंदर सिंह (बदला हुआ नाम) मरीज डॉ. पुनीत के पास लाया गया था। ऐसे मरीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना (शिफ्ट करना) अपने आप में एक कठिन और जोखिम भरा काम है; उन्हें लगभग 400 किलोमीटर से सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया गया। मरीज को आईसीयू में कई विशिष्ट टीमों द्वारा सामान्य किया गया था। मरीज की पत्नी ने अपने उसे अपना लिवर डोनेट किया जो मरीज में सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांट किया गया। वर्तमान में, मरीज पूरी तरह से ठीक हो गया है और फिर से सामान्य जीवन जी रहा है, अपने व्यवसाय में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। डोनर भी सामान्य जीवन जी रही है। यह मामला कई बीमारियों के एक साथ होने के कारण काफी चुनौतीपूर्ण था, सर्जन की टीम को एक बहुत ही बीमार मरीज की एक उच्च जोखिम वाली सर्जरी करनी थी। जिस गंभीर स्थिति में मरीज को हॉस्पिटल में लाया गया था, इलाज न मिलने पर 1-2 दिनों में उस स्थिति में मरीज की जान जा सकती थी। उज्बेकिस्तान से क्रोनिक लिवर डिजीज लिवर कैंसर के साथ आये एक मरीज का इलाज करने के दौरान डॉक्टरों की टीम कई चुनौतियां का सामना करना पड़ा। अहमद, (बदला हुआ नाम) मरीज और उसकी पत्नी कोविड-संबंधी लॉकडाउन के कारण भारत में फंस गए थे। एक शाम को अपनी पत्नी के साथ टहलते समय, रोगी को अचानक भारी दिल का दौरा पड़ा; उसे पुनर्जीवित करने के लिए 45 मिनट का कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दिया गया। आपातकालीन आधार पर मरीज की कोरोनरी एंजियोग्राफी और स्टेंटिंग की गई। डिस्चार्ज होने के बाद मरीज की लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की गई। नवीनतम सीटी स्कैन ने पुष्टि की कि अब मरीज को कोई कैंसर नहीं है। डॉ पुनीत सिंगला, डायरेक्टर एवं एचओडी-लिवर ट्रांसप्लांट, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने कहा कि जब एक सर्जन अपने द्वारा अंग प्रत्यारोपण के माध्यम से इलाज किए गए मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य स्थिति में देखता है तो उसके लिए इससे बढ़कर कुछ और नहीं हो सकता है। लिवर शरीर का एकमात्र ऐसा अंग है जिसमें फिर से आकार में बढ़ने की अदभुत क्षमता है। दूसरे शब्दों में, लिवर फिर से बढ़ जाता है। फिर से आकार में बढ़ने की अदभुत क्षमता के कारण ही आंशिक लिवर प्रत्यारोपण संभव है। एक बार लिवर के एक हिस्से या लोब को प्रत्यारोपित कर दिया जाता है, तो यह मरीज और डोनर दोनों में फिर से बढ़ जाएगा। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारा प्रयास सर्जिकल प्रक्रिया के बारे में किसी भी तरह की आशंकाओं या भय को दूर करना है। हम अपने मरीजों को बातचीत करने और इस बारे में जागरूकता फैलाने के लिए लाए हैं कि कैसे सर्जरी किसी भी व्यक्ति को लाभ पहुंचा सकती है जिसे बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए इस सर्जरी की आवश्यकता है। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं ग्रुप सीईओ डॉ. राजीव सिंघल ने कहा कि लिवर प्रत्यारोपण का फील्ड (क्षेत्र) वर्षों से विकसित हो रहा है। भविष्य में रिसर्च कार्य को और आगे बढ़ाने के लिए और अधिक लोगों की जिंदगी बचाने के लिए, हमें अंग दान से जुड़े भय और आशंकाओं को दूर करने के लिए अधिक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। वर्तमान में, हम अच्छा क्लीनिकल (चिकित्सकीय) कार्य कर रहे हैं क्योंकि हमारे डॉक्टर के लिए मरीज ही सब कुछ हैं। हमारे डॉक्टर हर चुनौती या बाधा का सामना करने के लिए नई रणनीतियों और तकनीकों के साथ पूरी तैयार हैं। मरीजों की जान बचाना महत्वपूर्ण है। वे मरीजों के लाभ के लिए नए विकल्पों को आजमाने को तैयार हैं। यह चीज है जो स्वास्थ्य सेवा में नया बदलाव लाती है। डॉ. अजय डोगरा, रीजनल डायरेक्टर-एनसीआर, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने कहा कि मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स की लिवर ट्रांसप्लांट टीम लिवर ट्रांसप्लांट में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (आकर्षण का केंद्र) का निर्माण करती है। डॉक्टर एंड-स्टेज लिवर फेलियर के मरीजों में बदलाव लाने के लिए पूरी तरह से समर्पित हो जाते हैं। लिवर की विभिन्न गंभीर बिमारियों और बेहद चुनौतीपूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं के साथ आये सभी मरीजों का लिवर ट्रांसप्लांट सर्जनों की टीम द्वारा सफल इलाज किया गया। टीम ने चिकित्सकीय एक्सीलेंस के आधार पर सफल सर्जरी के साथ मरीजों का इलाज किया और वे सभी मरीज आज स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। वर्तमान में, भारत में सालाना 1800 से अधिक लिवर प्रत्यारोपण (एलटी) किए जाते हैं। जहाँ भारत में 80 प्रतिशत से अधिक लिवर प्रत्यारोपण लिविंग डोनर (जीवित दाताओं) से होते हैं, वहीं पश्चिमी चिकित्सकों द्वारा लगभग 90प्रतिशत लिवर प्रत्यारोपण मृत दाताओं के लिवर से होते हैं। तकनीकी रूप से, जीवित डोनर के लिवर के साथ लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी मृत डोनर के लिवर को ट्रांसप्लांट करने की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण है। हालांकि, जो चीज समय पर सर्जरी की लगभग 95प्रतिशत सफलता दर के साथ सर्जरी को सफल बनाती है, वह चिकित्सकीय एक्सीलेंस, प्रतीक्षा समय को कम करना, अंग दान के बारे में जागरूकता और प्रत्यारोपण के बाद स्वस्थ जीवन जीना है।

गांव दुर्गापुर सडक़ मार्ग से अवैध अतिक्रमण को हटाने के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त : डीसी नेहा सिंह

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

पलवल। जिलाधीश नेहा सिंह ने दंड प्रक्रिया संहिता-1973 की धारा 22(।) और 23(एच) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 17 व 18 मई 2023 को जिला पलवल के गांव दुर्गापुर पर 22.400 किलोमीटर लंबे पलवल-हथीन-उटावड सडक़ मार्ग को चार लेन बनाने के दृष्टिगत वहां से अवैध अतिक्रमण को हटाने के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पलवल के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेश कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। ड्यूटी मजिस्ट्रेट दंड प्रक्रिया संहिता-1973 में निहित कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियों का प्रयोग करेगा। इस दौरान एसडीएम पलवल इस कार्य के लिए ऑवरऑल इंचार्ज रहेंगे। सभी संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित भूमि एवं उपरोक्त कार्यवाही पर किसी न्यायालय की ओर से कोई रोक/यथास्थिति आदि न हो तथा कार्य नियमानुसार हो तथा धूल नियंत्रण के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन हो। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों और इस संबंध में विभिन्न सी.पी.सी.बी. दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।

शरद फाउंडेशन द्वारा बच्चों के व्यक्तित्व विकास हेतु सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

कार्यक्रम में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को ईनाम के रुप में संस्था द्वारा घड़ियां बांटी गई

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददात

फरीदाबाद। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शरद फाउंडेशन द्वारा संस्था में पढ़ रहे बच्चों के लिए समय समय पर विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं । इसी श्रृंखला में शरद फाउंडेशन द्वारा बच्चों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का आरंभ प्रार्थना द्वारा हुआ। प्रतियोगिता में हर तरह के सामान्य ज्ञान, मनोरंजन, देश विदेश , विज्ञान , गणित , राजनीति और अन्य विधाओं पर प्रश्न पूछे गए , जिनका संस्था में पढ़ रहे बच्चों ने बखूबी उत्तर दिया। कुछ बच्चों ने इस अवसर पर अपने दिए गए भाषणों से भी आए हुए अतिथियों का मन मोहा। कुल 18 बच्चों को पुरस्कृत किया गया , पुरस्कार स्वरूप घड़ियां बांटी गई। प्रतियोगिता में छोटे बच्चों से लेकर 12 वीं क्लास के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में शरद फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ हेमलता शर्मा ने सभी प्रतिभागी बच्चों की सराहना की ओर आए हुए मेहमानो का आभार जताया , उन्होंने पुरस्कार सहयोग के लिए संस्था की शिक्षक शशि जी का आभार व्यक्त किया।

के0 सी0 एम0 वर्ल्ड स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

पलवल। के0 सी0 एम0 वर्ल्ड स्कूल पलवल का CBSE 12वी0 कक्षा का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। के0 सी0 एम0 के छात्रा कीर्ति कंसल ने मेडिकल संकाय में 96.2प्रतिशत तथा प्रियांशी आर्या ने नॉन मेडिकल संकाय में 96.2प्रतिशत अंक लेकर स्कूल को टॉप किया। स्कूल की छात्रा पलक भारद्वाज तथा आयुष शर्मा ने 96प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में द्वितीय तथा मुस्कान अग्रवाल ने 95.4 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। तान्या बघेल ने 95प्रतिशत , दक्ष दीक्षित ने 93.6प्रतिशत अंक, प्रियांशी तथा कुनिश्का सेठी ने 92.8प्रतिशत अंक, दृष्टि ने 92.6प्रतिशत अंक, नितिन ने 92.2प्रतिशत अंक, हिमांशी ने 91.8प्रतिशत अंक, आयुषी ने 91.6प्रतिशत अंक, दक्ष सहरावत ने 91.4प्रतिशत , अभिनव ने 91.2प्रतिशत अंक, जतिन व यश फौजदार ने 90.6प्रतिशत अंक व सिमरन तांगर ने 90प्रतिशत अंक प्राप्त किए। स्कूल के कुल 18 बच्चों ने 90प्रतिशत से अधिक तथा 120 बच्चों ने 80प्रतिशत से अधिक अंक तथा 171 बच्चों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर स्कूल का नाम रौशन किया। स्कूल के कुल 110 बच्चों ने विषयवार 95प्रतिशत से अधिक तथा 279 बच्चों ने विषयवार 90प्रतिशत से अधिक अंक तथा 755 बच्चों ने विषयवार मेरिट लेकर स्कूल का नाम पूरे जिले में रौशन किया। इंग्लिश में प्रियांशी आर्या व पलक भारद्वाज ने 98 अंक, केमिस्ट्री में कीर्ति व कुनिश्का सेठी ने 99 अंक, बायोलॉजी में ज्योति ने 97 अंक, मैथ्स में प्रियांशी आर्या ने 99 अंक, फिजिकल एजुकेशन में आयुष, तान्या, प्रियांशी, वंशिका व प्रियंका ने 99 अंक, म्यूजिक में टीना व अभिनव ने 97 अंक, फिजिक्स में प्रियांशी आर्या, आयुष शर्मा, कीर्ति, तान्या, भूषण व खुशी ने 95 अंक लिए। इस उपलब्धि पर स्कूल के चेयरमैन डॉक्टर राम नारायण भारद्वाज व प्रिंसिपल श्रीमती पारुल भारद्वाज ने सभी अभिभावको व छात्रों को बहुत बधाई दी तथा विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में भी स्कूल इसी तरह मेहनत करता रहेगा तथा पलवल जिले का नाम रौशन करता रहेगा।

गर्मी में पेयजल सप्लाई से जुड़ी हुई तमाम तैयारियां व प्रबंध सुनिश्चित करें संबंधित विभाग: नगराधीश अमित मान

नगराधीश ने पेयजल सप्लाई के प्रबंधों बारे अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददात

फरीदाबाद। नगराधीश अमित मान ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार गर्मी में पेयजल सप्लाई से जुड़ी हुई तमाम तैयारियां व प्रबंधन संबंधित विभाग सुनिश्चित करें। नगराधीश अमित मान आज बुधवार को जिला में गर्मी के मौसम में पेयजल सप्लाई से जुड़ी हुई तमाम तैयारियां व प्रबंधन बारे सिंचाई, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में आम जनता के लिए गर्मी के मौसम के मद्देनजर ज़रूरत के अनुसार पेयजल सप्लाई से जुड़ी हुई तमाम व्यवस्थाएं संबंधित विभाग सुनिश्चित करें। नगराधीश ने कहा कि आमजन को गर्मी के मौसम में स्वच्छ जलापूर्ति निर्धारित शेड्यूल अनुसार मिले। डीसी विक्रम ने इसके लिए व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पानी की चोरी को रोकना एक बड़ी चुनौती है, इसलिए वे अपने क्षेत्रों में पानी की चोरी की घटनाओं पर निगरानी रखें। यदि ऐसी कोई घटना घटित होती है, तो तुरंत उस पर कानूनी कार्रवाई करें। इसके लिए विशेष टीमें भी गठित की जा सकती हैं। इसके अलावा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करें, ताकि जिले में पानी की उपलब्धता की वास्तविक स्थिति का पता लग सके और यदि कहीं पानी की कमी की संभावना बनती है। तो तुरंत उसकी सूचना जिला मुख्यालय को दें। सभी सार्वजनिक स्थानों जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, चौक, बाजार, अस्पताल, पब्लिक डीलिंग से संबंधित कार्यालयों में नगर परिषद, नगर पालिका, विकास एवं पंचायत विभाग के सहयोग से पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, मुख्य रूप से पानी की कमी वाले जोखिम वाले क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति के लिए पानी के टैंकरों की सूची तैयार करने, पेयजल के स्रोत और जनसंख्या के अनुपात में इसकी क्षमता की पहचान करने, गर्मी की लहर से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि पूरा पानी पंप सेट या तो डीजल या बिजली आधारित होना चाहिए और काम करने की अच्छी स्थिति में होने चाहिए।

Dispensary का उद्देश्य सेक्टर में स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से निवासियों को किफायती उपचार सुलभ करना है : महेंद्र शर्मा

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। मानवता की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए आज सेक्टर 21 ष्ट में सोशल वेलफेयर ग्रुप की चैरिटेबल डिस्पेंसरी का उद्घाटन बडख़ल क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा ने किया। इस अवसर पर विधायक सीमा त्रिखा ने संस्था के प्रयास की तारीफ करते हुए कहा कि आज सभी लोगों को इस तरह सामाजिक सरोकार रखने चाहिएं। संस्था के प्रमुख महेंद्र शर्मा ने बताया कि डिस्पेंसरी का उद्देश्य सेक्टर में स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से निवासियों को किफायती उपचार प्रदान करना है। डिस्पेंसरी के खुलने से सेक्टर 21ष्ट व आस-पास के लोगो को स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। डिस्पेंसरी में डॉक्टर की परामर्श और दवाइयां निःशुल्क मरीजों को प्रदान की जाएंगी। डिस्पेंसरी के उद्घाटन के अवसर पर सेक्टर और आसपास के निवासी और बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मैडल जीतकर लोटे युवराज को टीम विजय प्रताप ने किया सम्मानित

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददात

फरीदाबाद। दिल्ली में आयोजित नेशनल वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर लोटे गांव धौज निवासी युवराज पुत्र मुकेश जांगिड़ का मंगलवार को टीम विजय प्रताप ने सम्मानित किया। टीम विजय प्रताप के सदस्य एवं युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष राहुल सरदाना ने कहा की युवराज जांगिड़ ने वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर फरीदाबाद का नाम रोशन किया है। गांव धौज़ के युवराज जांगिड़ बेहतरीन प्रतिभाशाली युवा हैं और हमें उम्मीद है भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का पटका लहराएंगे। उन्होंने युवराज के पिता मुकेश जांगिड़ और उनकी माता को बेटे को इसी तरह सपोर्ट करने और खेलों में बेहतरीन प्रस्तुति देने पर शुभकामना दी और कहा कि निश्चित रूप से यह परिवार के लिए गौरव की बात है। इस मौके पर टीम विजय प्रताप के राहुल सरदाना जिला उप -अध्यक्ष युवा कांग्रेस फर्दीबाद शहरी के साथ सागर कौशिक अध्यक्ष बडख़ल विधान सभा युवा कांग्रेस , मुस्ताक खान अध्यक्ष एनआईटी विधानसभा युवा कांग्रेस , सदाम , मूलचंद , गौरव , कृष्ण जांगिड़ , जगजीत भड़ाना , प्रिंस त्यागी , गगन गर्ग , अजहर खान , देवराज , संसुदीन , चिंटू गर्ग आदि उपस्थित थे।

फरीदाबाद में कौशल गिरोह के सदस्य टेकचंद खेड़ी के घर एनआईए की छापेमारी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददात

फरीदाबाद। गांव खेड़ी कला में गैंगस्टर टेकचंद के घर का एनआईए की छापेमारी। टेकचंद कौशल गिरोह का बदमाश है। हरियाणा कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विकास चौधरी की हत्या में आया था नाम सामने। गैंगस्टर टेकचंद यूपी के रणदीप भाटी ग्रहों से भी जुड़ा हुआ है। उसके ऊपर दिल्ली एनसीआर में लूट, डकैती, हत्या, हत्या का प्रयास सहित 25 से अधिक मुकदमे दर्ज। विकास चौधरी की हत्या में नाम सामने आने के बाद साल 2020 में क्राइम ब्रांच ने टेकचंद को गिरफ्तार किया था। तब से जेल के अंदर ही आरोपित है। फिलहाल एनआईए की टीम आरोपित के गांव खेड़ी कला स्थित घर में मौजूद है। घर के बाहर फरीदाबाद पुलिस की टीम मौजूद है। चंद के घर में उसकी मां पत्नी का छोटा भाई भी मौजूद है। एनआईए की टीम ने उन्हें भी घर के अंदर ही रोक कर रखा हुआ है। बाहर से किसी को घर के पास जाने की अनुमति नहीं है।

यातायात पुलिस ने बिना अग्निशामक वाले 136 वाहनों के चालान काटकर लगाया 68000 जुर्माना

फरीदाबाद। डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन के दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए यातायात पुलिस ने बिना अग्निशामक वाले 136 वाहन चालकों के चालान काटकर उन्हें आर्थिक रूप से दंडित किया है। वाहनों में अग्निशामक यंत्र होना अति आवश्यक है क्योंकि कई बार सड़क दुर्घटना में गाड़ियों में आग लग जाती है जिस पर काबू पाने के लिए इसका उपयोग किया जाता है परंतु वाहन चालक इसकी ओर ध्यान नहीं देते और अपनी गाड़ी में अग्निशामक यंत्र नहीं रखते इसीलिए इनके खिलाफ यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 136 वाहन चालकों के चालान काटकर उन्हें आर्थिक रूप से दंडित किया गया। उक्त वाहन चालकों के चालान काटकर उन पर ?68000 का जुर्माना लगाया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि सड़क पर यात्रा करते समय सभी प्रकार के सुरक्षा उपकरणों का होना अति आवश्यक है अन्यथा किसी प्रकार की इमरजेंसी में इन उपकरणों के ना होने से बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है।

एक्सप्रेस न्यूज

बाइडेन का कार्यक्रम टला क्वाड शिखर सम्मेलन रद्द

नई दिल्ली/कैनबरा, (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के सिडनी में 22 से 24 मई तक होने वाले भारत सहित चार सदस्यीय क्वाड फोरम का शिखर सम्मेलन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का कार्यक्रम बदलने के कारण रद्द कर दिया गया है। श्री बाइडेन ने अमेरिका की संघीय सरकार की कर्ज की सीमा बढ़ाए जाने को लेकर घरेलू राजनीतिक गतिरोध के चलते आस्ट्रेलिया जाने में असमर्थता जताई है, पर जापान में इस सप्ताह हो रही जी-7 बैठक में उनके शामिल होना है। आस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान और भारत के इस मंच की बैठक के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सिडनी जाने वाले थे। बैठक अब इसी सप्ताह के अंत में जापान के हिरोशिमा में होगी।

सलमान की बहन अर्पिता के नौकर ने की चोरी, गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सलमान खान की बहन अर्पिता ने पुलिस में घर पर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में घर के नौकर को गिरफ्तार किया है। दरअसल सलमान खान की बहन अर्पिता खान की डायमंड की इयररिंग उनके खार स्थित आवास से चोरी हो गई थी। अब मुंबई पुलिस ने इसे बरामद कर लिया है और चोर को पकड़ लिया है। मुंबई पुलिस ने 30 वर्षीय पुरुष को गहने चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। खार पुलिस ने चोर को पकड़ लिया है। वह मुंबई के विलेपार्ले इलाके में रहता है और अर्पिता खान के घर पर बतौर डॉमेस्टिक हेल्प काम करता था। खार पुलिस इंस्पेक्टर मोहन माने में एक टीम बताई थी।

न्यूयॉर्क : प्रिंस हैरी, पत्नी की कार का दो घंटे किया पीछा

लंदन, (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल की कार का न्यूयॉर्क में पीछा किया गया है। इस दौरान उनके साथ उनकी मां भी थी। रायटर्स ने ड्यूक ऑफ ससेक्स के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि घटना मंगलवार की रात उस समय हुई जब शाही जोड़ा वीमेन ऑफ विजन अवॉर्ड सेरेमनी में शामिल होने के बाद लौट रहा था। उनके प्रवक्ता ने कहा, ये विनाशकारी साबित हो सकता था। प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल की कार का करीब दो घंटे तक पीछा किया गया। इस दौरान हादसा होते-होते बचा। यह जोड़ा किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में पहुंचा था।

छेड़छाड़ का विरोध किया तो किशोरी को जिंदा जलाया

मैनपुरी, (एजेंसी)। यूपी में मैनपुरी जिले के कोतवाली क्षेत्र में एक युवक ने छेड़छाड़ का विरोध करने पर पड़ोस में रहने वाली एक किशोरी को डीजल डाल कर जिंदा जला दिया। गंभीर रूप से झुलसी किशोरी को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां हालत नाजुक होने पर उसे सैफई मेडिकल कालेज रिफर कर दिया गया जहां उसकी उपचार शुरू होने से पहले ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार थाना कोतवाली मैनपुरी क्षेत्र ग्राम नगला पजावा में राजेश कुमार लोधी राजपूत की 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री कुमारी शिल्पी को पड़ोस में रहने वाला अंकित (22) पुत्र राजवीर सिंह लोधी छह महीने से परेशान कर रहा था। आए दिन उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें करने से बाज नहीं आ रहा था, जिसका वह विरोध कर रही थी ।

पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव जफरयाब का इंतकाल

लखनऊ, (ब्यूरो)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के सचिव जफरयाब जीलानी का बुधवार को निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि श्री जीलानी लंबे अरसे से बीमार थे। तबीयत खराब होने पर उन्हे निशात अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां आज दोपहर करीब 11 बजकर 50 मिनट पर उन्होने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार लखनऊ के ऐशबाग कब्रिस्तान में किया गया। गौरतलब है कि श्री जीलानी श्रीरामजन्मभूमि मामले में बाबरी मस्जिद पक्ष के वकील थे। वह उत्तर प्रदेश के अपर महाधिवक्ता भी रह चुके थे।

दिल्ली के बुराड़ी इलाके में हेड कांस्टेबल और उसकी पत्नी को गोली मारी गई

नयी दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में कुछ अज्ञात लोगों ने दिल्ली पुलिस के 35 वर्षीय हेड कांस्टेबल और उसकी पत्नी को गोली मार दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना शुक्रवार रात पौने 10 बजे के आसपास हुई, जब दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ में तैनात हेड कांस्टेबल अपनी पत्नी के साथ टहल रहा था। अधिकारी के मुताबिक, हमलावर कथित तौर पर हेड कांस्टेबल का मोबाइल फोन और चार हजार रुपये नकदी छीनकर ले गए।

बाइक राइड विवाद पर बोले बिग बी, मैं तो बस कर रहा था मस्ती

मुंबई, (एजेंसी)। अमिताभ बच्चन ने कुछ दिनों पहले मुंबई की सड़कों पर एक अजनबी के साथ बाइक राइड करने की तस्वीर शेयर की थी। जिसके बाद बिना हेलमेट राइड करने के लिए वो ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए थे। यहां तक कि कुछ लोगों ने उनकी शिकायत मुंबई पुलिस और मुंबई ट्रैफिक पुलिस से कर दी थी। इस पूरे मामले को लेकर अमिताभ बच्चन लगातार आलोचना झेल रहे हैं। वहीं, अब उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक बयान जारी किया है और सफाई दी है। बिग बी ने अपने ब्लॉग पर एक लंबा नोट लिखा और अपनी बाइक राइड के बारे में विस्तार से बताया। अमिताभ ने कहा, रविवार का दिन है, बल्लार्ड एस्टेट के एक लेन में शूटिंग के लिए फॉर्मल परमीशन ले ली गई है...रविवार के लिए परमिशन ली गई है, क्योंकि उस दिन सारे ऑफिस बंद होते है और कोई भीड़-भाड़ व ट्रैफिक नहीं होता है। पुलिस की अनुमति के बाद शूटिंग के लिए एरिया की एक लेन बंद कर दी गई है, जो लगभग 30-40 मीटर लंबा रास्ता है, जो कपड़े मैंने पहले है वो फिल्म के लिए मेरा कॉस्टयूम है...और मैं बाइक पर बैठकर बस टाइम पास कर रहा हूं, जो एक क्रू मेंबर की है...कहीं जा नहीं रहा हूं, लेकिन ऐसा जता रहा हूं कि टाइम बचाने के लिए मैं सवारी कर रहा हूं।

इस साल भीषण गर्मी का सबब बनेंगी धरती पर बहती गर्म लहरें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। आने वाले समय में तापमान और भी ज्यादा बढ़ने वाला है। बताया जा रहा है कि इस साल भीषण गर्मी पड़ने वाली है। इसका कारण है अल नीनो। अल नीनो की वजह से वैज्ञानिक इसकी चेतावनी दे रहे हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा कि अल नीनो के कारण दुनिया भर में तापमान बढ़ेगा। नासा ने सेंटीनल-6 माइकल फ्रीलिश सैटेलाइट जरिए कुछ तस्वीरें जारी की है। जिनमें धरती पर गर्म लहरें बह रही है। यह लहरें ही बाद में अल-नीनो बन रही है। इन लहरों को केल्विन वेव्स कहा गया है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि नासा ने अल-नीनो से जुड़ी फोटो शेयर की है। अंतरिक से कैप्चर की गई इन तस्वीरों में धरती पर गर्म लहर नजर आ रही है। प्रशांत महासागर में गर्म पानी की एक लहर दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट से पूर्व की तरफ जा रही है। मई का महीना ठंडा हुआ, फिर अचानक गर्मी तेज हो गई है। हजारों किलोमीटर तक फैली है केल्विन लहरेंनासा की सैटेलाइट की तस्वीरों में केल्विन लहरें प्रशांत महासागर में भारत की तरफ आ रही है।

पीएम मोदी ने झारखंड के परतातू में जल शोधन संयंत्र के निर्माण की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में पतरातू प्रखंड में जल शोधन संयंत्र का निर्माण कार्य पूरा होने की बुधवार को सराहना की और कहा है कि इससे उस इलाके में महिलाओं का जीवन आसान होगा।

श्री मोदी ने इस संयंत्र के बारे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद जयंत सिन्हा के ट्वीट को टैग करते हुए लिखा कि बहुत ही सराहनीय प्रयास! स्वच्छ पानी की यह सुविधा झारखंड में पतरातू की हमारी माताओं और बहनों के जीवन को बहुत आसान बनाने वाली है। श्री सिन्हा ने इस संयंत्र के चित्रों के साथ ट्वीट किया कि रामगढ़ के पतरातु प्रखंड की पंचायतों में जलापूर्ति हेतु 50 करोड़ रुपए से वाटर फिल्टर प्लांट व जलमीनार के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने इसी ट्वीट में कहा है कि इससे उस क्षेत्र में अब जलापूर्ति में अत्यंत सुविधा होगी।

उन्होंने लिखा है कि क्षेत्र में जलापूर्ति सुनिश्चित करने हेतु जलमीनर बनाने का काम युद्धस्तर पर जारी है।

आतंकियों के छिपे होने के शक में इमरान का घर पुलिस ने घेरा

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ शहबाज सरकार हाथ धोकर पड़ी है। इमरान जहां जल्द से जल्द चुनाव करवाने की मांग कर रहे हैं तो वहीं, उन्होंने कहा कि पाक सरकार उन्हें फिर से गिरफ्तार कर जेल भेजने की फिराक में है।

अब पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान से जुड़ा एक सनसनीखेज दावा किया है, जिससे खलबली मच गई है। सरकार का कहना है कि इमरान के आवास जमान पार्क में 30-40 आतंकी छिपे हुए हैं। 24 घंटे के भीतर उन आतंकियों को सरकार को सौंपने के लिए कहा गया है। इमरान के घर को भी पुलिस ने चारों ओर से घेर लिया है। पंजाब के अंतरिम सूचना मंत्री आमिर मीर ने कहा है कि जियो-फेंसिंग के जरिए तकनीकी और खुफिया जानकारी भी मिली थी कि आतंकवादी इमरान खान के जमान पार्क स्थित आवास पर शरण मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों में वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस पर हमला किया था। इसलिए पीटीआई नेतृत्व से अनुरोध किया जा रहा है कि इन आतंकियों को सौंप दें। पंजाब की अंतरिम सरकार पीटीआई नेतृत्व को उन आतंकवादियों को सौंपने के लिए 24 घंटे का समय दे रही है, जो सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले में शामिल थे और जमान पार्क में शरण मांग रहे थे।

इमरान ने की समर्थकों की रिहाई की मांग

पीटीआई चीफ ने कहा कि इसके अलावा, अदालत के आदेश के बावजूद पत्रकार इमरान रियाज़ खान को पेश नहीं किया गया है और उनके खिलाफ यातना की पुष्टि हुई है। उन्होंने सभी महिला नेताओं, कार्यकर्ताओं और नेताओं की महिला परिवार के सदस्यों की तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने कहा कि शिरीन मजारी के इलाज और उनकी बेटी के पुरुष अधिकारियों द्वारा शारीरिक हमला किए जाने की खबरों को सुनने के बाद वह परेशान हैं। इमरान ने कहा, कि हमारी महिला समर्थकों के साथ किए गए बर्बर व्यवहार के आगे आने वाले वीडियो सबूत निंदनीय हैं। इन सभी महिलाओं को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। मैं इसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के सामने भी उठा रहा हूं।

पाक में नौ मई जैसी हिंसक घटनाओं को दोहराने नहीं दिया जाएगा : सेना

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने बुधवार को कहा कि सेना नौ मई जैसी घटनाएं किसी भी कीमत पर फिर से नहीं होने देगी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं ने नौ मई को पार्टी अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद विरोध प्रदर्शन के दौरान शहीद स्मारक, लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस और जनरल मुख्यालय में तोड़फोड़ की थी। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने शहीद स्मारक का दौरा करने के दौरान कहा कि किसी को भी हमारे शहीदों और उनके स्मारकों का अनादर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने वरिष्ठ पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ और उसे नुकसान पहुंचाने वालों पर विशेष स्थायी अदालतों में मुकदमा चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने वालों के मामलों की सुनवाई विशेष स्थायी अदालतों में की जाएगी। उन्होंने कहा कि निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर भी आतंकवाद विरोधी अदालतों में मुकदमा चलाया जाएगा। ट्वीट में, प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि नौ मई को देश, प्रतीकों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों पर हुए हमले की जड़ें पिछले वर्ष इमरान के भाषणों की देन हैं। इमरान ने लगातार सशस्त्र बलों और मौजूदा सेना प्रमुख पर हमला किया।

फर्जी काल सेंटर चलाकर अमेरिकी लोगों को ठगने वाला गिरोह दबोचा

नगालैंड-मणिपुर की चार युवतियों समेत 16 आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर में फर्जी कॉल सेंटर पर अमेरिकी लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर पुलिस ने नगालैंड-मणिपुर की चार युवतियों सहित 16 जालसाजों को गिरफ्तार कर 12 लेपटॉप, 15 मोबाइल एवं अन्य उपकरण बरामद किए हैं।

एसपी विकास शर्मा ने बताया कि एसएचओ संजीव स्वामी को डीएसटी टीम से सूचना मिली की ट्रांसपोर्ट नगर सर्विस रोड स्थित होटल अन्नपूर्णा में एक अवैध कॉल सेंटर संचालित है। सूचना पर कुछ युवक-युवतियां लेपटॉप पर काम करते हुए हेडफोन लगाकर किसी से अंग्रेजी में बातचीत कर रहे थे। उनके द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में पूछताछ की तो बताया गया कि ये कमरे रामसिंह उर्फ मामु निवासी धमसीन जिला जालौर के नाम से बुक करवाए हैं। राम सिंह अपने सर्वर से अमरीकी नागरिकों के सिस्टम पर संदिग्ध एक्टिविटी का मेल भेज डरा कर ठगी करता है। इनके कब्जे से 12 लेपटॉप, 15 मोबाइल, 5 लेपटॉप, चार्जर व हैडफोन आदी मिले हैं।

इस मामले में मुगाई निवासी दिमापुर नगालैंड, चार्लटन निवासी सिलोंग, मेघालय, कशिश नि. फरिदाबाद, हरियाणा, थानयेम उर्फ मार्टीन कोहिमा नि. नगालैंड, वारेन उर्फ वरूण नि. फरिदाबाद, हरियाणा, टोवीटो नि. दिमापुर, नगालैंड, ऐश्वर्य बाथम नि. इंदौर, मध्यप्रदेश, जतिन आनंद शर्मा नि. पोंडी, डुगरी, उत्तराखंड हाल मुंबई, प्रितेश चौहान निवासी राजकोट, अरूण यादव नि. जिला फरिदाबाद हरियाणा, मोईनुल जुनैद अली निवासी जिला बोंगाईगांव असम, राहुल नि. खासी मेघालय, खुशी रंधावा नि. खासी, मेघालय, मुस्कान कौर निवासी खासी, मेघालय, विफ्रे नुखा उर्फ विप्स निवासी साउथ कोहिमा, नगालैंड और सीमा मेरी निवासी शिलोग, मेघालय को गिरफ्तार किया है।

साइबर गैंग के दो और ठग बंदी

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान में सीआईडी क्राइम ब्रांच जयपुर की टीम ने साइबर ठगी के दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एम एन ने बताया कि दोनों आरोपी सगे भाई हैं। जयपुर में रहते हुए चाय की थड़ी पर बैठकर बेरोजगार छात्रों को विश्वास में लेकर तीन हजार रुपये देकर पहले उनका विभिन्न बैंकों में खाता खुलवाते। बाद में उन खातों को साइबर ठगों को 13 हजार रुपये में बेच देते। श्री एमएन बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने गत पांच अप्रैल को जवाहर नगर थाना क्षेत्र में फर्जी तरीके से एटीएम तैयार कर दिन में 10-12 लाख रुपए एटीएम से निकालने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 11.73 लाख रुपए जब्त किए थे।

535 करोड़ की करेंसी लेकर सड़क के बीच में फंसा कंटेनर

चेन्नई, (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक की चेन्नई शाखा से विल्लुपुरम जिले के विभिन्न बैंकों में 535 करोड़ रुपए ले जा रहे 02 कंटेनर ट्रकों में से एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर खराब हो गया, जिसके बाद दोनों वाहनों को पास के सिद्ध अस्पताल परिसर में ले जाया गया। इसके बाद मैकेनिक ने पुलिस सुरक्षा में वाहन को ठीक करने का प्रयास किया। हालांकि, वे चेन्नई में दोनों वाहनों को आरबीआई को वापस करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वाहन की मरम्मत नहीं हो पाई है। इसके लिए उन्होंने क्षतिग्रस्त वाहन को ही निकालने के लिए रिकवरी वाहन बुलाया है। जैसे ही 535 करोड़ रुपये नकद ले जा रहा वाहन खराब हुआ, निकटतम पुलिस स्टेशन को तुरंत सूचित किया गया। इसके बाद तांबरम सहायक आयुक्त श्रीनिवासन के नेतृत्व में 200 से अधिक पुलिसकर्मी सुरक्षा में तैनात हो गए। पुलिस से इलाके में हलचल है क्योंकि अचानक खराब हुए वाहन के लिए अत्यधिक पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जब इस बारे में ड्राइवर से पूछा गया तो उसने कहा कि पैसे ले जाना तो आम बात है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एक वाहन के इंजन में खराबी के कारण एक अन्य वाहन को भी रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक यात्रा करने वाले दोनों वाहनों को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के चेन्नई ब्रांच भेजने का फैसला किया गया है. बीच सड़क पर बाउंड करेंसी के साथ वाहन खड़े होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

2000 के बाद अब 500 रुपए का भी नोट बंद करने की माँग तेज

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा की है जिसका देशभर में स्वागत किया जा रहा है। हालांकि विपक्षी दलों ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की है। लेकिन देश में यह मांग भी बलवती हो रही है कि 500 रुपए का भी नोट बंद किया जाये क्योंकि अमेरिका और यूरोप में भी 100 रुपए से ज्यादा का नोट नहीं है इसीलिए वहां भ्रष्टाचार कम है। इस मांग के समर्थन में यह तर्क भी दिया जा रहा है कि भारत डिजिटल भुगतान सेवा का उपयोग करने में दुनिया में सबसे आगे है इसलिए अब कागज के बड़े नोटों की आवश्यकता नहीं है। जहां तक 2000 रुपए के नोट की बात है तो आपको बता दें कि आरबीआई ने कहा है कि 2000 रुपए मूल्य के नोट बैंकों में जाकर 30 सितंबर तक जमा कराये या बदले जा सकेंगे। आरबीआई ने कहा है कि लोग किसी भी बैंक शाखा में जाकर 23 मई से 30 सितंबर तक नोट बदल सकते हैं। इसके अलावा आरबीआई के 19 क्षेत्रीय कार्यालयों में भी 2,000 रुपये के नोट को बदलने की सुविधा दी जाएगी। हालांकि एक बार में सिर्फ 20,000 रुपये मूल्य के नोट ही बदले जाएंगे। बहरहाल आरबीआई ने यह साफ नहीं किया है कि कोई व्यक्ति अधिकतम कितने मूल्य के 2,000 रुपये के नोट बैंकों में जमा कर सकता है। लेकिन उसने एक बार में अधिकतम 10 नोट ही बदले जाने की बात कही है। आरबीआई ने एक बयान में यह भी कहा है कि अभी चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोट 30 सितंबर तक वैध मुद्रा बने रहेंगे। इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों से 2,000 रुपये का नोट देने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने को कहा है। हम आपको यह भी बता दें कि आरबीआई का यह कदम नवंबर, 2016 के उस अप्रत्याशित ऐलान से थोड़ा अलग है जिसमें घोषणा की आधी रात से ही 500 एवं 1,000 रुपये के तत्कालीन नोट को चलन से बाहर कर दिया गया था। उसी समय आरबीआई ने 2,000 रुपये के नोट जारी किए थे। हालांकि केंद्रीय बैंक ने यह नहीं बताया है कि 30 सितंबर की समयसीमा खत्म होने के बाद लोगों के पास बचे रह गए 2,000 रुपये के नोट की क्या स्थिति होगी। सूत्रों के मुताबिक, समयसीमा खत्म होने के बाद भी अगर लोगों के पास ये नोट मौजूद रहते हैं तो उन पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी।

हम आपको यह भी बता दें कि केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऊंचे मूल्य वाले नोट का इस्तेमाल काला धन जमा करने में किए जाने संबंधी चिंताओं के बीच उठाया है। आरबीआई ने 2,000 रुपये के नए नोट छापना वित्त वर्ष 2018-19 में ही बंद कर दिया था और धीरे-धीरे उनका चलन काफी कम हो चुका है। रिजर्व बैंक के मुताबिक, ऐसा देखा गया है कि 2,000 रुपये मूल्य के नोट का इस्तेमाल अब लेनदेन में आम तौर पर इस्तेमाल नहीं हो रहा है। इसी के साथ बैंकों के पास अन्य मूल्यों के नोट भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने से लोगों को नोट देने में कोई समस्या नहीं होगी। आरबीआई के मुताबिक 2,000 रुपये के करीब 89 प्रतिशत नोट मार्च, 2017 से पहले ही जारी किए गए थे और अब उनका चार-पांच साल का अनुमानित जीवनकाल खत्म होने वाला है। इस बीच, वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने इस फैसले की घोषणा के बाद एक टीवी चैनल के साथ बातचीत में कहा कि यह फैसला नवंबर 2016 में की गई नोटबंदी से अलग है और इसका अर्थव्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने 30 सितंबर तक जमा नहीं किए जाने वाले नोट के बारे में पूछे जाने पर कहा कि बैंकों के पास इससे निपटने की समुचित व्यवस्था होगी। वहीं पूर्व वित्त सचिव एससी गर्ग ने कहा कि आरबीआई के इस कदम का मकसद उच्च मूल्य वाले नोट पर निर्भरता को कम करना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने का है। उन्होंने कहा कि 2,000 रुपये के आधे नोट पहले ही वित्तीय व्यवस्था से बाहर हो चुके हैं। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर आर. गांधी ने कहा है कि 2,000 रुपये के बैंक नोट वापस लेने से काले धन पर रोक लगाने में काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा क्योंकि लोग यह नोट जमा कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि आर. गांधी ही वर्ष 2016 में 500 और 1,000 रुपये के नोट चलन से हटाये जाने के समय आरबीआई में मुद्रा विभाग के प्रमुख थे। उन्होंने कहा कि भुगतान पर किसी भी प्रणालीगत प्रभाव की संभावना नहीं है क्योंकि इन नोटों का उपयोग दैनिक भुगतानों में नहीं किया जाता है। ज्यादातर भुगतान डिजिटल माध्यम से होते हैं। इस बीच, उच्चम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने इस मुद्दे पर कहा है कि जिस सामान की MRP 5,000 रुपए से ज्यादा है, यदि उसका कैश लेनदेन बंद हो जाए तथा 50,000 से महंगी संपत्ति को आधार से लिंक कर दिया जाए तो 50त्न भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 100 रुपए से ज्यादा बड़े नोट की आवश्यकता नहीं है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों का एसआईटी कराएगी नार्को टेस्ट

प्रयागराज, (ब्यूरो)। अतीक-अशरफ हत्याकांड के जांच के लिए गठित एसआईटी सच जानने के लिए तीनों शूटर्स का लाई डिटेक्टर टेस्ट तथा नार्को टेस्ट कराएगी ।

एसआईटी के कई सवालो के जवाब हत्यारों द्वारा न दिए जाने के कारण कई सवालों के जवाब न मिलने के बाद इसकी कवायद शुरू की गई। अब लाई डिटेक्टर टेस्ट तथा नार्को टेस्ट के बाद हत्याकांड का सच सामने आएगा। लाई डिटेक्टर टेस्ट के बाद साजिश से भी पर्दा उठ सकता है बता दें कि बीते माह कॉल्विन हॉस्पिटल में अतीक-अशरफ की हत्या हुई थी ।

राजस्थान में 350 नवीन पद के साथ चिकित्सा सुविधाओं का होगा विस्तार

जयपुर, (ब्यूरो)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। सीएम अशोक गहलोत ने 10 चिकित्सा संस्थाओं में सुविधाओं का विस्तार करते हुए कुल 440 बैड्स की वृद्धि तथा 350 नवीन पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

इस निर्णय से राजकीय चिकित्सालय कुचामन सिटी नागौर में 150, सैटेलाइट मोतीडूंगरी जयपुर में 100, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेडवा बाड़मेर में 45, भीनमाल जालौर में 25 तथा हिंडौली बूंदी, कोटकासिम अलवर, टपकूडा अलवर, बड़ाउ झुंझुनूं, गुढाचंद्रजी करौली व रामगढ़ सीकर में प्रत्येक में 20-20 अतिरिक्त बैड्स से आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

आदेश मणिपुर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पक्षों की सुनीं दलीलें, कहा

संयम से काम लें, भड़काऊ बयान न दें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर बुधवार को कहा कि संवैधानिक अधिकारी संयम से काम लें और भड़काऊ बयान न दें। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि वह यह सुनिश्चित करेगा कि राजनीतिक कार्यपालिका मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर आंख नहीं मूंदें।

पीठ ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि वह'राजनीतिक क्षेत्र'में प्रवेश नहीं करेगी।पीठ ने मुख्यमंत्री के आधिकारिक हैंडल से किए गए कथित भड़काऊ ट्वीट्स की एक वकील की शिकायत पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, ' यह सुनिश्चित करें कि संवैधानिक अधिकारी संयम से काम लें और भड़काऊ बयान न दें।शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि हिंसा से प्रभावित लोगों की सुरक्षा के साथ-साथ राहत और पुनर्वास के लिए किए गए उपायों पर एक नई स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें।

पीठ ने अपने आदेश में कहा,''हमें बताएं कि मणिपुर में (सुरक्षा और राहत को लेकर) क्या कदम उठाए गए हैं।''पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि वह मणिपुर उच्च न्यायालय के 27 मार्च के फैसले से उत्पन्न कानूनी मुद्दों से नहीं निपटेगी, जिसमें बहुसंख्यक मेइती को अनुसूचित जनजाति के रूप में आरक्षण दिया गया था। वजह यह कि आदेश को चुनौती देने वाली याचिका उच्च न्यायालय की बड़ी खंडपीठ के समक्ष लंबित है।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश को पूरी तरह तथ्यात्मक रूप से गलत बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि आदिवासी आरक्षण के मुद्दे से जुड़े मुद्दों को लेकर उच्च न्यायालय की उस खंडपीठ में जा सकते हैं।पीठ ने कुकी और अन्य आदिवासी समुदायों की सुरक्षा संबंधी आशंकाओं के मद्देनजर भी आदेश दिया।

पीठ ने कहा कि राज्य के मुख्य सचिव और उनके सुरक्षा सलाहकार आदिवासियों द्वारा बताए गए गांवों में शांति सुनिश्चित करने के लिए आकलन कर जरूरी कदम उठाएंगे।शीर्ष अदालत के समक्ष राज्य सरकार ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में कहा, ''47,914 से अधिक लोगों के साथ कुल 318 राहत शिविर खोले गए हैं।

अब फरीदाबाद की सड़के जगमगाएंगी तिरंगे से: मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर

केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बडख़ल चौक पर तिरंगा लेजर लाइट का शुभारम्भ किया

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने जब सत्ता संभाली है तो एक संकल्प लिया था कि हर विधानसभा क्षेत्र में समान विकास करवाएंगे। 9 वर्ष के कार्यकाल में सरकार ने बिना किसी भेदभाव के प्रदेश की हर विधानसभा में नई-नई परियोजनाओं की सौगात दी है और अब फरीदाबाद की सड़के तिरंगा रोशनी से जगमगाएंगी। भारत सरकार के भारी उद्योग एवं ऊर्जा विभाग के राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने आज बडख़ल चौक स्मार्ट सिटी की स्मार्ट रोड पर 17 लाख की लागत से बनी तिरंगा लेजर लाइट का शुभारम्भ किया। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर कहा कि भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे भारत देश में विकास कार्य तेज गति से है। आज बडख़ल चौक स्मार्ट सिटी के स्मार्ट रोड पर तिरंगा लेजर लाइट का शुभारंभ किया गया है। जब आप इस रोड पर चलेंगे तो आप को तिरंगा नजर आएगा। बडख़ल चौक से बाईपास रोड तक लेजर लाइट तिरंगे के रूप में नजर आएगी। इस रोड का नाम भी तिरंगा रोड रखा गया है। लोगों में देशभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए तिरंगा लेजर लाइट का आज शुभारंभ किया गया। पूरे शहर की सड़कों को आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में सुंदर बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। सड़कों पर एलईडी लाइट लगाई गई है। आगरा कैनाल, लड़कियों के स्कूल और कॉलेज, स्किल यूनिवर्सिटी और हाईवे इन सब के विकास कार्य बहुत तेजी से हो रहे हैं और फरीदाबाद की सुंदरता को भी बढ़ाया जा रहा है। सारे देश में जितनी भी स्मार्ट सिटी है सब में तेजी से विकास कार्य चल रहे हैं। पहले कोरोना महामारी की वजह से काम में कुछ देरी हुई थी लेकिन अब सभी विकास कार्यों ने तेजी पकड़ ली है। शहर के पार्क, बडख़ल झील का पुनर्निर्माण, नेशनल हाईवे और हर शहर की गली को एलईडी से चमकाया गया है और यह सारी चीजें पिछले 9 में हुई है। जैसे देश बदल रहा है वैसे ही फरीदाबाद बदल रहा है। फरीदाबाद की तस्वीर बदल रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सचिव अजय गौड़, निर्वतमान पार्षद सुभाष आहूजा,अजय बैंसला, डॉ कौशल बाटला, दीपक मेहता, नवीन कुमार गर्ग, सत नारायण गर्ग सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

ऑनलाइन पोर्टल पर आई शिकायतों का निर्धारित समय पर करें निपटारा: नगराधीश अमित मान

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। सीएम विंडो, सरल पोर्टल और सीपी ग्राम सहित अन्य प्राप्त हुई शिकायतों का गंभीरता के साथ निर्धारित समय पर निपटारा करना सुनिश्चित करें। नगराधीश अमित मान बुधवार सायं को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में सभी विभागों के अधिकारियों के साथ सीएम विंडो, सरल पोर्टल और सीपी ग्राम पोर्टल पर प्राप्त हुई शिकायतों के निपटान की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे । उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश देते हुए सीएम विंडो, सरल पोर्टल, सीपी ग्राम पोर्टल और एसएमजीटी के पेंडेंसी को तुरंत ऑनलाइन क्लियर करने के लिए भी कहा। वहीं नगराधीश अमित मान सीएम विंडो और अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्म प्रणाली के जरिये बेहतर क्रियान्वयन के लिए सुझाव भी सांझे अधिकारियों को कर्मचारियों के साथ किए। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो, सीपी ग्राम और एसएमजीटी शिकायतों बारे नियमित रूप से समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि समय पर ऑनलाइन आई शिकायतों के निपटान न करने वाले विभागों के अधिकारी/प्रतिनिधि को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। जिसमें उन्होंने सीएम विंडो पर लम्बे समय से पड़ी शिकायतों के निराकरण के सम्बंध में दिशा निर्देश भी विभाग वार सम्बंधित अधिकारी को दिए। सीटीएम अमित मान ने बैठक में क्रमवार सभी विभाग के अधिकारियों /प्रतिनिधियों को ऑनलाइन लंबित सीएम विंडो, सीपी ग्राम और एसएमजीटी आवेदन पर आई शिकायतों का विवरण देने के लिए कहा। वहीं उन्होंने कई विषयों पर संबंधित अधिकारियों से सुझाव भी साझा किए व सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। समीक्षा बैठक में नगराधीश अमित मान, डीडीपीओ राकेश मोर, डीआरओ बिजेन्द्र राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

व्यायामशालाओं में 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2023 की तैयारियां शुरू: डीसी विक्रम सिंह

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि आगामी 21 जून को आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'' 2023 को लेकर जिला में प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में आयुष विभाग के द्वारा निदेशालय आयुष हरियाणा से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 के कार्यक्रम प्राप्त होने के उपरांत जिला फरीदाबाद में योग दिवस की तैयारियों के मद्देनजर जिला की सभी व्यायाम शालाओं में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर प्रात: एवं सांय काल में लगाया जा रहा है। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि योग शिविरों का प्रति दिन औचक निरीक्षण सदस्य हरियाणा योग आयोग जयपाल शास्त्री और योग विशेषज्ञ आयुष विभाग के विकास द्वारा निरंतर किया जा रहा है। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉक्टर मोनीषा लांबा ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'' का प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला के तीनों ब्लॉक स्तर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयुष विभाग द्वारा आगामी 21 जून को जिला की सामाजिक संस्थाओं को अधिक से अधिक लोगों भागीदारी 9वें अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस शामिल किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जिला की तमाम व्यायाम शालाओं में कार्यरत सभी योग सहायकों को डीसी विक्रम सिंह के कुशल मार्गदर्शन में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार निर्देश दिये गये है कि गांव के लोगों को योग के लिए प्रेरित करें और होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताएं।

स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाए: सुभाष चंद्रा

कहा, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर बनाना सबकी नैतिक जिम्मेदारी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के टास्क फोर्स के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्रा ने कहा कि स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर बनाना सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। क्लीन फरीदाबाद ग्रीन फरीदाबाद बनाने की बैठक में टास्क फोर्स कमेटी के अधिकारी और गैर सरकारी सदस्यों की उपस्थिति में मंत्रणा की गई। सुभाष चन्द्रा ने कहा कि जिला स्तर पर स्वच्छ भारत मिशन की गतिविधियों को मजबूत बनाने और अपने जिला के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर/ क्लीन और ग्रीन बनाना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग जरूरी है। स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने जिला स्तरीय टास्क फोर्स सरकारी और कमेटी के अधिकारियों, सरकारी और गैर सरकारी सदस्यों की बैठक सदस्यों की को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वच्छता की पहल को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देशानुसार स्टेट टास्क फोर्स का गठन किया है। हम सबको मिलकर आपसी समन्वय के साथ इस मिशन को लेकर आयोजित बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि इस अभियान के बेहतर क्रियान्वयन को आगे लेकर जाना है। यही नहीं हम अपने साथ ही साथ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिशन से जोडऩा है, तब कहीं जाकर हम बदलाव की स्थिति में आएंगे और हरियाणा को स्वच्छता के मामले आदर्श स्टेट बनाएंगे। स्वच्छ भारत मिशन के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में जिला फरीदाबाद को स्वच्छ तथा सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता अभियान के लिए गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की पहली बैठक में विस्तार पूर्वक सुझाव भी साँझे किए गए। वहीं नवनियुक्त सरकारी एवं गैर सरकारी सदस्यों की बैठक वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्रा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय टास्क फोर्स (एसएलटीएफ) स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा को लेकर एमसीएफ कान्फ्रेंस हाल में बैठक की आयोजित की गई। जहां बैठक में स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि ठोस कचरा शैडो का सामूहिक सहयोग से सदुपयोग किया जाये। तरल कचरा प्रबंधन द्वारा गांवों को गंदे पानी से निजात मिल सके। गोबरधन बायोगैस प्लांट निर्माण कार्य पूर्ण होने पर गांव किरा के ग्रामीणों तथा गौशाला को सस्ती और सुविधाजनक गैस प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि अब स्वच्छ भारत मिशन द्वारा ओडीएफ प्लस गांव बनाए है।

किसी को परिवार पहचान पत्र में शुद्धिकरण के लिए नहीं होना पड़ेगा परेशान : एडीसी अपराजिता

परिवार पहचान पत्र की त्रुटियों को दूर करने का कार्य किया जा रहा है तेजी से क्रियान्वित जारी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। परिवार पहचान पत्र की जिला नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने कहा कि जिला में परिवार पहचान पत्र की त्रुटियों को दूर करने का कार्य तेजी के साथ ऑनलाइन प्लेटफार्म प्रणाली के जरिये किया जा रहा है तथा इसके लिए फील्ड वेरिफिकेशन का कार्य भी निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा शिक्षा, चुनाव और महिला एवं बाल विकास तथा अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा विभिन्न तरीकों से लोगों द्वारा उनके परिवार पहचान पत्र में घोषित आय की जांच की जा रही है। इसके लिए किसी भी पात्र व्यक्ति को व्यर्थ में परेशान होने की जरूरत नहीं है तथा उन्हें सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं व योजनाओं का लाभ मिलेगा। एडीसी अपराजिता ने कहा कि पीपीपी को ऑनलाइन अपडेट कराने का कार्य अटल सेवा केंद्रों, सरल केंद्रों और सीएससी सेंटरों पर के साथ साथ चुनाव विभाग के बीएलओ और महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग द्वारा आपसी तालमेल करके किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र में आय वेरिफिकेशन के साथ- साथ किसी का नाम जोड़ना, दिव्यांगों का स्टेट्स अपडेट कराना, जन्मतिथि में सुधार करना आदि के कार्य भी शामिल है। उन्होंने कहा कि 55 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्ति के जन्मतिथि में सुधार के लिए वोटर आईकार्ड लाना अनिवार्य है। वोटर कार्ड वर्ष 2017 के पहले का होना जरूरी है।

हेल्पलाइन नंबर पर ली व दी जा रही है जानकारी

● एडीसी अपराजिता ने बताया कि प्रशासन ने पीपीपी के लिए हेल्पलाइन नंबरो के जरिये सुबह नौ से शाम पांच बजे तक फोन कर परिवार पहचान पत्र से संबंधित जानकारी ली और दी जा रही है। एडीसी अपराजिता ने आगे बताया कि पीपीपी विभागीय अधिकारियों की मानें तो फरीदाबाद में 5,92,625 परिवारों के पीपीपी बन चुके हैं। इनमें बल्लभगढ़ एरिया में 41,778, फरीदाबाद ब्लॉक में 25,395 तथा तिगांव में 28,562 परिवार शामिल हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्र में कुल 4,96,918 लोगों के पहचान पत्र बन चुके हैं। वहीं 18,400 बीपीएल और अंत्योदय परिवार शामिल हैं।

सामाजिक उत्थान श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का बड़ा लक्ष्य: नेहरू

वाईबीआई और गो- पलो वेंचर के साथ किए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने 2 एमओयू

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण एमओयू किए हैं। इनके माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ऑन द जॉब ट्रेनिंग करेंगे। कुलपति डॉ. राज नेहरू की उपस्थिति में वाईबीआई फाउंडेशन और गो-पलो वेंचर के प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ एमओयू का अदान-प्रदान किया। इस मौके पर श्री विश्वकर्मा कौशल विद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि शैक्षणिक उद्देश्यों के साथ-साथ सामाजिक उत्थान भी हमारा एक बड़ा लक्ष्य है। इसलिए ज्यादातर कोर्स को सामाजिक उत्थान के दृष्टिकोण से भी विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि रासायन युक्त भोज्य पदार्थ इस समय स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी चुनौती बने हुए हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहा है। कृषि संकाय के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में भी एक फार्म विकसित किया जा रहा है। इस समय बाजार में उपलब्ध ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के नाम पर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी चल रही है। इसलिए गो-पलो वेंचर के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के स्किल एग्रीकल्चर फैकल्टी के विद्यार्थी ऑन द जॉब ट्रेनिंग करेंगे। इस दौरान अनाज, फलों और सब्जियों की ऑर्गेनिक टेस्टिंग का प्रशिक्षण भी विद्यार्थी प्राप्त करेंगे। शुद्धता का यह परीक्षण करने में विद्यार्थी निपुण होंगे तो समाज को इसका बड़ा फायदा होगा। गो-पलो वेंचर की ओर से संस्थापक सम्राट सिंह चौहान और सह संस्थापक संदीप मेहंदीरत्ता मौजूद रहे। दूसरी तरफ वाईबीआई के निदेशक डॉ. आलोक यादव ने समझौता पत्र का आदान प्रदान किया। यह गैर वित्तीय लाभ की कंपनी है, जोकि महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में काम करती है। उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा साइंस और बिजनेस एनालिटिक्स के प्रोजेक्ट में शामिल करती है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों को इस एमओयू के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि समाज में रचनात्मक काम करने वाले लोग विश्वविद्यालय के साथ जुड़ेंगे तो इससे पूरे समाज का फायदा होगा।

अपनी माँगों को लेकर 25 मई को बिजली मंत्री का घेराव कर प्रदर्शन करेगा हरियाणा कर्मचारी महासंघ: सुनील खटाना प्रदेश महासचिव एचकेएम

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

● बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला कर्मचारियों के हितों में लिया गया कि चरणबद्ध तरीके से सभी कर्मचारी इकट्ठे होकर आगामी 25 मई 2023 को हरियाणा प्रदेश के बिजली मंत्री श्री रणजीत सिंह चौटाला के आवास जिला सिरसा पर विरोध और प्रदर्शन को करते हुए कर्मचारी अपनी मांगों का पांच सूत्रीय मांग पत्ररूपी एक ज्ञापन बिजली मंत्री श्री रणजीत सिंह चौटाला को सौंपेंगे ।

फरीदाबाद। हरियाणा कर्मचारी महासंघ की एक आवश्यक मीटिंग फरीदाबाद सेक्टर-06 जिला कार्यालय में सम्पन्न हुई । जिसमें हरियाणा कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महासचिव श्री सुनील खटाना ने कहा कि पूर्व में 09 अप्रैल 2023 को जिला अम्बाला में हुए राज्य स्तरीय कन्वेंशन में लिए गये कर्मचारी हितैषी फैसले के अनुसार हरियाणा कर्मचारी महासंघ की राज्य कमेटी सहित तमाम विभागीय यूनियनों की प्रदेश कार्यकारणी व अंबाला जिले के सभी विभागों के कर्मचारी प्रातः 10:00 बजे अंबाला कैंट बस डिपो पर एकत्र हुए। जिसके बाद बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला कर्मचारियों के हितों में लिया गया कि चरणबद्ध तरीके से सभी कर्मचारी इकट्ठे होकर आगामी 25 मई 2023 को हरियाणा प्रदेश के बिजली मंत्री श्री रणजीत सिंह चौटाला के आवास जिला सिरसा पर विरोध और प्रदर्शन को करते हुए कर्मचारी अपनी मांगों का पांच सूत्रीय मांग पत्ररूपी एक ज्ञापन बिजली मंत्री श्री रणजीत सिंह चौटाला को सौंपेंगे । जिसमें मुख्य मांग पुरानी पेंशन को बहाल करना, प्रदेश के सभी विभागों में लगे कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भंग करना, पूर्णता कैशलेस मेडिकल लागू करना, निजी करण पर पूर्णता रोक लगाना, पुरानी एक्स ग्रेशिया नीति को लागू करवाना साथ ही विभागीय संगठनों की मांगों पर यथाशीघ्र मीटिंग बुलाकर उन्हें लागू करना आदि प्रमुख माँगें सम्मलित है । बैठक के इस अवसर पर प्रदेश महासचिव श्री सुनील खटाना ने कहा कि आज सरकार के पास समय है अगले वर्ष 2024 में हरियाणा प्रदेश में चुनाव है । इससे पूर्व प्रदेश की सरकार को कर्मचारियों की मांगों को प्रदेश में लागू करना चाहिए। ताकि कर्मचारी वर्ग में सरकार के प्रति विश्वास बना रहे । अन्यथा आगामी प्रादेशिक चुनावी समय में प्रदेश का तमाम कर्मचारी वर्ग अपने मताधिकार का सही प्रयोग कर ऐसी सत्तासीन सरकार को जो कर्मचारी हित के कामों को पूरा नही करती है उसे सत्ता से नदारद करने का काम ताल ठोक कर अन्य राज्यों की भाँति करेगा।

हाईवे पार करते समय महिला को ट्रक ने कुचला, मौत

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ अनाज मंडी के सामने राजमार्ग को पार करते समय एक महिला को ट्रक ने कुचल दिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग के ऊपर लगे फुट ओवर ब्रिज की बजाय महिला ग्रिल पार करके पेट्रोल पंप की तरफ से मंडी की तरफ जा रही थी। महिला ग्रिल से उतरते समय गिर गई और पलवल की तरफ से आने वाले ट्रक ने उसे कुचल दिया। घटना के बाद चालक ट्रक को छोड़कर मौके से भाग गया। इस घटना के घटने से ट्रक सड़क पर खड़े होने के कारण दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद बस अड्डा पुलिस चौकी घटनास्थल पर पहुंची और ट्रक को लोगों के सहयोग से साइड में खड़ा किया। करीब आधा घंटा ट्रैफिक जाम रहा। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मृतक महिला 55 वर्षीय शकुंतला कैल गांव की रहने वाली बताई गई है। बस अड्डा चौकी इंचार्ज सज्जन कुमार का कहना है कि स्वजन को सूचना दे दी है। मृतक को पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल भेज दिया है। स्वजन आने के बाद चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

मोदी ने अपनी दूरदर्शी सोच से वन अर्थ, वन फॅमिली और वन फ्यूचर के सन्देश को पुरे विश्व में पंहुचाया: सुधा यादव

राष्ट्र सर्वोपरि मानकर राष्ट्र निर्माण में कार्यरत हैं भाजपा कार्यकर्त्ता: सुधा यादव

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र की भाजपा सरकार के 9 साल के कार्यकाल में दुनिया में भारत के परचम ऊँचा करने का काम किया । मोदी ने अपनी दूरदर्शी सोच से %वन अर्थ, वन फॅमिली और वन फ्यूचर के सन्देश को पुरे विश्व में पंहुचाया। मोदी के नेतृत्व का लोहा पूरा विश्व मानता है । मोदी सरकार के 9 साल पूर्ण होने पर महासम्पर्क अभियान के निमित जिला कार्यकारिणी बैठक में बोलते हुए भाजपा संसदीय बोर्ड की सदस्या सुधा यादव ने कहा । भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद की जिला कार्यकारिणी बैठक ज़िला अध्यक्ष गोपाल शर्मा की अध्यक्षता में अटल कमल जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, भाजपा फरीदाबाद के प्रभारी सत्यप्रकाश जरावता, जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, पूर्व प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी, विधायक सीमा त्रिखा, नरेन्द्र गुप्ता, पूर्व कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनैतिक सचिव अजय गौड़, स्थानीय निकाय विभाग के प्रदेश सह संयोजक देवेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक राजिन्द्र बिसला, नागेन्द्र भडाना, जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, राजीव जेटली, पूर्व महापौर सुमन बाला, निवर्तमान उप महापौर मनमोहन गर्ग, प्रदेश किसान मोर्चा उपाध्यक्ष सोहनपाल सिंह, निवर्तमान महापौर सुमन बाला, टिपरचंद शर्मा व ज़िला विस्तारक मनजीत सिंह जांगड़ा मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। मंच का संचालन जिला महामंत्री मूलचन्द मित्तल ने किया। भाजपा संसदीय बोर्ड की सदस्या सुधा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले 9 वर्षों में मोदी सरकार ने देश के समग्र विकास के साथ देशवासियों को सशक्त करने का काम किया है। मेक इन इंडिया, गरीब कल्याण, पिछड़ों और महिला सशक्तिकरण पर केन्द्र सरकार में बहुत कम किया है। मेक इन इंडिया के माध्यम से विभिन क्षेत्रों में रोजगार के स्थान उपलब्ध कराये जा रहे है। देश के 80 करोड़ लोगों को राशन देना मोदी की गरीब कल्याण की सोच को दर्शाता है। कोरोना महामारी में विशव के बड़े बड़े देश कुछ नहीं कर पायें लेकिन मोदी ने अर्थव्यवस्था को गति भी दी और देशवासियों की जान भी बचाई। बेहद कठिन समय में देश की सरकार को संभालने के बाद मोदी सरकार का 9 साल का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा कार्यकाल है।

संपूर्ण विश्व भगवान श्रीविष्णु की शक्ति से संचालित है

यह संपूर्ण विश्व भगवान श्रीविष्णु की शक्ति से ही संचालित है। वे निर्गुण भी हैं और सगुण भी। वे अपने चार हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, गदा और पद्म धारण करते हैं। जो भी किरीट और कुण्डलों से विभूषित, पीताम्बरधारी, वनमाला तथा कौस्तुभमणि को धारण करने वाले, सुंदर कमलों के समान नेत्र वाले भगवान श्रीविष्णु का ध्यान करता है वह भव बन्धन से मुक्त हो जाता है। भक्तिपूर्वक देवदेव विष्णु की एक बार प्रदक्षिणा करने वाला व्यक्ति सारी पृथ्वी की परिक्रमा करने का फल प्राप्त करके बैकुण्ठ धाम में निवास करता है। जिसने कभी भक्ति भाव से भगवान लक्ष्मीपति को नमस्कार किया है, उसने अनायास ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष रूप फल प्राप्त कर लिया। जो स्तोत्र और जप के द्वारा मधुसूदन की उनके समक्ष होकर स्तुति करता है, वह समस्त पापों से मुक्त होकर विष्णुलोक में पूजित होता है। जो भगवान के मंदिर में शंख, तुरही आदि बाजों के शब्द से युक्त गाना-बजाना और नाटक करता है, वह मनुष्य विष्णुधाम को प्राप्त होता है। विशेषतः पर्व के समय उक्त उत्सव करने से मनुष्य कामरूप होकर संपूर्ण कामनाओं को प्राप्त होता है। पद्मपुराण में वर्णन मिलता है कि भगवान श्रीविष्णु ही परमार्थ तत्व हैं। वे ही ब्रह्मा और शिव सहित सृष्टि के आदि कारण हैं। वे ही नारायण, वासुदेव, परमात्मा, अच्युत, कृष्ण, शाश्वत, शिव, ईश्वर तथा हिरण्यगर्भ आदि अनेक नामों से पुकारे जाते हैं। नर अर्थात् जीवों के समुदाय को नार कहते हैं। संपूर्ण जीवों के आश्रय होने के कारण भगवान श्रीविष्णु ही नारायण कहे जाते हैं। कल्प के प्रारम्भ में एकमात्र सर्वव्यापी भगवान नारायण ही थे। वे ही संपूर्ण जगत की सृष्टि करके सबका पालन करते हैं और अंत में सबका संहार करते हैं। इसीलिए भगवान श्रीविष्णु का नाम हरि है। मत्स्य, कूर्म, वाराह, वामन, हयग्रीव तथा श्रीराम-कृष्णादि भगवान श्रीविष्णु के ही अवतार हैं। भगवान श्रीविष्णु अत्यंत दयालु हैं। वे अकारण ही जीवों पर करुणा वृष्टि करते हैं। उनकी शरण में जाने पर परम कल्याण हो जाता है। जो भक्त भगवान श्रीविष्णु के नामों का कीर्तन, स्मरण, उनका दर्शन, वंदन, गुणों का श्रवण और उनका पूजन करता है, उसके सभी पाप विनष्ट हो जाते हैं। यद्यपि भगवान श्रीविष्णु के अनन्त गुण हैं, तथापि उनमें भक्तवत्सलता का गुण सर्वोपरि है। चारों प्रकार के भक्त जिस भावना से उनकी उपासना करते हैं, वे उनकी उस भावना को परिपूर्ण करते हैं। ध्रुव, प्रहलाद, अजामिल, द्रौपदी, गणिका आदि अनेक भक्तों का उनकी कृपा से उद्धार हुआ। भक्त वत्सल भगवान को भक्तों का कल्याण करने में यदि विलम्ब हो जाये तो भगवान उसे अपनी भूल मानते हैं और उसके लिए क्षमा याचना करते हैं।जो मनुष्य भगवान विष्णु के निम्नांकित पचपन नामों का जप करता है, वह मंत्रजप आदि के फल का भागी होता है तथा तीर्थों में पूजन आदि के अक्षय पुण्य को प्राप्त करता है। पुष्कर में पुण्डरीकाक्ष, गया में गदाधर, चित्रकूट में राघव, प्रभास में दैत्यसूदन, जयन्ती में जय, हस्तिनापुर में जयन्त, वर्धमान में वाराह, काश्मीर में चक्रपाणि, कुब्जाभ में जनार्दन, मथुरा में केशवदेव, कुब्जाम्रक में हृषीकेश, गंगाद्वार में जटाधर, शालग्राम में महायोग, गोवर्धनगिरि पर हरि, पिण्डारक में चतुर्बाहु, शंखोद्धार में शंखी, कुरुक्षेत्र में वामन, यमुना में त्रिविक्रम, शोणतीर्थ में विश्वेश्वर, पूर्वसागर में कपिल, महासागर में विष्णु, गंगासागर संगम में वनमाल, किष्किन्धा में रैवतकदेव, काशीतट में महायोग, विरजा में रिपुंजय, विशाखयूप में अजित, नेपाल में लोकभावन, द्वारका में कृष्ण, मन्दराचल में मधुसूदन, लोकाकुल में रिपुहर, शालग्राम में हरि का स्मरण करें। पुरुषवट में पुरुष, विमलतीर्थ में जगत्प्रभु, सैन्धवारण्य में अनन्त, दण्डकारण्य में शार्ंगधारी, उत्पलवर्तक में शौरि, नर्मदा में श्रीपति, रैवतकगिरि पर दामोद, नन्दा में जलशायी, सिन्धुसागर में गोपीश्वर, माहेन्द्रतीर्थ में अच्युत, सह्याद्रि पर देव देवेश्वर, मागधवन में बैकुण्ठ, विन्ध्यगिरि पर सर्वपापहारी और हृदय में आत्मा विराजमान हैं। ये अपने नाम का जप करने वाले साधकों को भोग तथा मोक्ष देने वाले हैं। प्रत्येक वटवृक्ष पर कुबेर का, प्रत्येक चौराहे पर शिव का, प्रत्येक पर्वत पर राम का तथा सर्वत्र मधुसूदन का स्मरण करें। धरती और आकाश में नरका, वसिष्ठती में गरुडध्वज का तथा सर्वत्र भगवान वासुदेव का स्मरण करने वाला पुरुष भोग एवं मोक्ष का भागी होता है। भगवान विष्णु के इन नामों का जप करके मनुष्य सब कुछ पा सकता है।

भक्तिपूर्वक देवदेव विष्णु की एक बार प्रदक्षिणा करने वाला व्यक्ति सारी पृथ्वी की परिक्रमा करने का फल प्राप्त करके बैकुण्ठ धाम में निवास करता है। जिसने कभी भक्ति भाव से भगवान लक्ष्मीपति को नमस्कार किया है, उसने अनायास ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष रूप फल प्राप्त कर लिया। जो स्तोत्र और जप के द्वारा मधुसूदन की उनके समक्ष होकर स्तुति करता है, वह समस्त पापों से मुक्त होकर विष्णुलोक में पूजित होता है। जो भगवान के मंदिर में शंख, तुरही आदि बाजों के शब्द से युक्त गाना-बजाना और नाटक करता है, वह मनुष्य विष्णुधाम को प्राप्त होता है। विशेषत: पर्व के समय उक्त उत्सव करने से मनुष्य कामरूप होकर संपूर्ण कामनाओं को प्राप्त होता है।

इस मंदिर में अपराध के मुताबिक दंड भी दिया जाता है

बाल बिखेरे महिलाएं सिर घुमा रही हैं! उनके शरीर पर भारी पत्थर भी रखे हैं! उनकी चीत्कार और बचाओ-बचाओ की गुहार भी सुनाई पड़ रही है! एक कोने में महिलाएं कंडे जलाकर धुएं की तरफ अपना सिर करके झूम रही हैं! गलियारे में मैले कुचैले कपड़े पहने महिलाएं और पुरुष बेड़ियों और सांकलों में बंधे हैं! तेज आवाज में बड़बड़ा भी रहे हैं मानो वे गुस्से में हवा से बातें कर रहें हों! चिथड़ों में लिपटे कुछ ऐसे लोग भी पड़े हैं जिनके तन पर पूरी चमड़ी भी नहीं है! ये प्रेतराज सरकार का दरबार है। राजस्थान के दौसा और करौली जिलों को बांटने वाली मेहंदीपुर पहाड़ियों के बीच घाटी में बालाजी मंदिर में यह दरबार हर रोज दो बजे से चार बजे तक लगता है। यह मंदिर हिंडौन से दिल्ली-जयपुर हाइवे को जोड़ने वाली सड़क पर दौसा और करौली जिलों की सीमा पर स्थित है। सड़क मार्ग से बालाजी जाने के लिए दिल्ली से दो रास्ते हैं। एक रास्ता मथुरा, भरतपुर होकर जाता है। दूसरा रास्ता अलवर से होते हुए बांदीकुई से है। रेल से जाने के भी दो रास्ते हैं। एक है दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग से। इस रास्ते से जाने पर हिंडौन या महावीर जी स्टेशन पर उतरकर लगभग एक घंटे का सड़क मार्ग तय करके बालाजी पहुंचा जा सकता है। दूसरा तरीका है कि दिल्ली जयपुर अहमदाबाद रेल मार्ग से जाकर बांदी कुंई स्टेशन पर उतरना होगा। बालाजी पहुंचने के लिए आगे का रास्ता सड़क से होकर जाता है। ठहरने के लिए यहां तमाम धर्मशालाएं हैं। वैसे यहां सुबह-सुबह पहुंचना अच्छा रहता है।इस दौरान कचहरी की तरह यहां अर्जी लगाने वाले भक्तों को कष्ट देने और बाधा देने वाले भूत-प्रेतों की पेशी ली जाती है और अपराध के मुताबिक उन्हें दंड भी दिया जाता है। वैसे तो बालाजी का एक सुविख्यात मंदिर दक्षिण भारत में है लेकिन वहां बालाजी के दर्शन राम के बाल रूप में होते हैं। जबकि मेहंदीपुर में हनुमान जी के बाल रूप को श्रद्धालु बालाजी कहते हैं। बालाजी में मुख्य रूप से तीन दरबार हैं। मंदिर में प्रवेश करते ही पहला बालाजी (हनुमान जी) का दरबार है, फिर दाईं तरफ दूसरा कोतवाल कप्तान यानी भैरव जी का दरबार और फिर सीढ़ियों से ऊपर जाकर तीसरा प्रेतराज सरकार का दरबार है। मान्यता है कि अब से करीब 1000 वर्ष पूर्व तीनों देव यहां प्रकट हुए थे। बालाजी, कोतवाल कप्तान और प्रेतराज सरकार की मूर्तियों को अलग से किसी मूर्तिकार ने गढ़कर नहीं बनाया है बल्कि वे पर्वत का एक हिस्सा हैं। समूचा पर्वत मानो उनका %कनक भूधराकार% शरीर है। प्रकट होने से अब तक 12 महंत बालाजी की सेवा में रहे हैं। वर्तमान मंदिर महंत गणेशपुरी के सेवाकाल में बना था। बालाजी महाराज की जय! कोतवाल कप्तान की जय! प्रेतराज सरकार की जय! इन जयकारों के साथ हर रोज सुबह साढ़े छह बजे मंदिर में बालाजी की आरती होती है। उस समय मंदिर परिसर ही नहीं बल्कि बाहर सड़क पर भी भारी भीड़ जमा होती है। बालाजी की आरती संपन्न होने पर सभी श्रद्धालुओं पर पुजारी महाराज छींटे देते हैं। फिर धीरे-धीरे भीड़ छंटती है और केवल दरख्वास्त लगाने वाले लोग ही पंक्ति में खड़े रहते हैं।अर्जी दिन में केवल आठ बजे से ग्यारह बजे तक लगाई जाती है। पंक्ति में जितने लोग उतनी ही शिकायतें और परेशानियां हैं। किसी का व्यापार इन दिनों मंदा पड़ा है तो किसी की नौकरी छूट गई है, किसी का काम बनते-बनते बिगड़ जाता है तो कोई तमाम मेहनत के बाद भी परीक्षा में सफल नहीं हो रहा है। कोई अपने परिवार में किसी खास के बिगड़े व्यवहार से परेशान है तो किसी को मानसिक परेशानी है या किसी का प्रिय असाध्य बीमारी से गुजर रहा है, किसी की शादी नहीं हो रही है तो कोई शादी के वर्षों बाद भी संतानहीन है। अपनी हर मुश्किल और बाधाओं को दूर करवाने के लिए लोग इस दरबार में हाजिर हैं और अपनी बारी की प्रतीक्षा में हैं। दरख्वास्त सवा दो रुपये में लगती है और अर्जी सवा इक्यासी रुपये में। दरअसल यह दरबार में चढ़ाने का एक प्रसाद है। दरख्वास्त में एक दोने में कुछ लड्?डू और बताशे होते हैं जबकि अर्जी में पके चावल और उड़द की दाल होती है, इसे एल्युमिनियम के बर्तन में चढ़ाया जाता है। अर्जी और दरख्वास्त बाजार की किसी भी दुकान से खरीदा जा सकता है। सभी दुकानों में इनकी कीमत समान है। दरख्वास्त छोटी-मोटी परेशानियों और बाधाओं को दूर करने के लिए लगाई जाती है और अर्जी असाधारण व्याधि और कष्टों को दूर करने के लिए लगाई जाती है। यूं समझिए कि यह बालाजी के मंदिर में किसी मन्नत या मनौती करने का एक वैधानिक तरीका है। बालाजी में रिवाज है कि वहां पहुंचते ही सबसे पहले एक दरखास्त इस बात की लगाई जाती है कि हम आपके दरबार में हाजिर हुए हैं। उसके बाद अगली तमाम दरख्वास्त अनेक छोटी-मोटी परेशानियों और मन की मुराद पूरी करने के लिए लगाई जाती हैं। लौटने से पहले एक दरख्वास्त इस बात की लगाई जाती है कि आप हमारी सभी दरख्वास्त या अर्जी स्वीकार करें और हम यहां से अपने घर बिना बाधा के सकुशल पहुंचे।

व्यापार में सफलता के लिए आसान उपाय

अपने व्यवसाय को लेकर अकसर लोगों को यह शिकायत रहती है कि पूरी मेहनत और प्रयास के बाद भी सुनिश्चित सफलता नहीं मिल रही है। यदि आपको भी अपने व्यवसाय में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो फिर किसी सर्टिफाइड वास्तु कंसल्टेंट से संपर्क करें क्योंकि बिजनेस में अपेक्षित सफलता ना मिलने का कारण आपके घर या ऑफिस में वास्तु असंतुलन भी हो सकता है। किसी भी व्यवसाय में सफलता के लिए कुछ बातें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं मसलन - प्रॉपर प्लानिंग, धन या फाइनेंस, योजना को किस तरह से क्रियान्वित करना है, टीम मैनेजमेंट आदि। इन सारी चीजों में पैसा या फाइनेंस सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर आपके पास समुचित धन नहीं होगा तो आप चाहे कितनी भी योजनाएं क्यों ना बना लें उसे क्रियान्वित नहीं कर पायेंगे। हम बताते हैं कि वास्तु के किन उपायों का उपयोग करके आप अपने व्यवसाय में लाभ कमा सकते हैं।

व्यवसाय के लिए लोन लेना चाहते है तो उत्तर पश्चिम में दो सफेद घोड़ों की तस्वीर लगाएं। भाग्यांक की दिशा में उस दिशा से संबंधित रंग व शेप की तस्वीर लगाएं। कस्टमाइज वस्तु सिद्धांतों पर अमल करके आप व्यवसाय में सफलता के चरम सोपान तक पहुंच सकते हैं। आमतौर पर लोगों की धारणा है कि उत्तर धन का जोन है, लेकिन यह जरूरी नहीं है

कि धन और अवसर का जोन उत्तर धन को बढ़ाने में भी कारगर सिद्ध होगा ही। व्यवसाय में सफलता के लिए धन और अवसर के जोन उत्तर के साथ-साथ बैंकिंग और सहयोग के जोन उत्तर-पश्चिम को दुरुस्त करना भी जरूरी है। इस जोन की एनर्जी को बढ़ाने के लिए कंपनी के मालिक या डायरेक्टर की डेट ऑफ बर्थ का खास तौर पर विश्लेषण करना चाहिए कि इस जन्मतिथि में पंचतत्वों जल, आकाश, वायु, पृथ्वी और अग्नि में से किस तत्व की प्रधानता है, उसी के आधार पर उसके बैठने की जगह को संतुलित करें। अगर उसकी जन्मतिथि में जल तत्व कमजोर है, तो उसे संतुलित करने के लिए डायरेक्टर के कमरे में सेलिंग शिप या डॉल्फिन का चित्र लगाएं। इसके लिए आप विशेषज्ञ की सहायता ले सकते हैं। अगर डायरेक्टर या मालिक की डेट ऑफ बर्थ ज्यादा प्रभाशाली नहीं है, तो उसके स्थान पर उसके पुत्र या पत्नी की जन्मतिथि का प्रयोग भी कर सकते हैं।

किसी भी व्यवसाय की सफलता में दिशाओं की महत्वपूर्ण भमिका होती है। दिशाओं से लाभ उठाने के लिए आप अपने प्रयोजन को ध्यान में रखें।

इसके साथ ही आपका व्यवसाय किस तरह का है इस का ध्यान रखना भी जरूरी है। अगर आप ट्रेडिंग का बिजनेस कर रहे हैं, तो उसमें स्टॉक का विशेष महत्व है। बिजनेस में निश्चित सफलता के लिए अपने स्टॉक को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें। कंपनी के मालिक के बैठने की दिशा उसकी जन्मतिथि के अनुसार शुभ दिशा में हो तो बेहद अच्छा रहता है। इसमें जातक के व्यवसाय को भी देखना पड़ता है। व्यवसाय में सफलता के लिए उत्तर और उत्तर पश्चिम को सक्रिय रखें। अगर आपको अपने ऑफिस में जाने के बाद काम करने का मन नहीं करता है या यूं कहें कि आप एनर्जेटिक फील नहीं करते हैं और आपके अंदर निराशा की भावना आती है, तो इसका सीधा सा मतलब है कि आपके कार्यस्थल पर नेगेटिव एनर्जी सक्रिय है, इसी वजह से आपको मनोवांछित की प्राप्ति नहीं हो रही है। कार्यस्थल में पॉजिटिव एनर्जी विकसित करने के लिए एनर्जी सॉल्ट से 27 दिन तक पोंछा लगवाएं आपको वांछित परिणाम नजर आने लगेगा। जब भी आपको किसी से व्यवसाय में बढोतरी के संबंध में बात करनी है, तो फिर पूर्व में बैठकर करें। धन एवं समृद्धि के देवता कुबेर का निवास उत्तर में है, इसलिए धन एवं समृद्धि को आकर्षित करने के लिए उत्तर और उत्तर-पूर्व को संतुलित रखें। इसके लिए आप उत्तर दिशा में टेबल पर या फिर दीवार में बने आले पर कुबेर की मूर्ति लगा सकते हैं।

हनुमान भक्तों पर
प्रसन्न रहते हैं शनि देव

शनि भगवान सूर्य तथा छाया के पुत्र हैं। मृत्यु के देवता यमराज शनिदेव के बड़े भाई हैं। आकाश मंडल में सौर परिवार के जो 9 ग्रह हैं, उनमें यह दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनिदेव यदि रुष्ट हो जाएं तो राजा को रंक बना देते हैं और यदि प्रसन्न हो जाएं तो आम आदमी को खास आदमी बना देते हैं। पुराणों के मुताबिक शनिदेव हनुमान भक्तों पर खास प्रसन्न रहते हैं और उनकी मदद करते हैं क्योंकि एक बार हनुमानजी ने शनिदेव को रावण से बचाया था। शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शनिवार को उनका विधिवत पूजन करना चाहिए। मान्यता है कि शनिदेव को सरसों का तेल चढ़ाया जाना चाहिए, इससे शनिदेव प्रसन्न होते हैं। शनिवार के दिन पीपल को जल देने से भी शनिदेव को प्रसन्न किया जा सकता है। शनिदेव के बारे में मान्यता है कि वह जब किसी राशि में प्रवेश करते हैं तो ढाई वर्ष तक उसमें रहते हैं। जन्म राशि से जब शनि चौथे या आठवें हो तो अढैया कहते हैं जोकि काफी कष्टप्रद होता है। जब शनिदेव बारहवें स्थान पर आते हैं तो व्यय अधिक होता है। माना जाता है कि जीवन में शनिदेव एक बार या किसी-किसी के जीवन में चार बार आते हैं। प्रथम बार तो इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता लेकिन दूसरी बार में यह नींव हिला देते हैं और तीसरी बार भवन को उखाड़ फेंकते हैं तथा चौथी बार अच्छे खासे को बेघर कर देते हैं। शनि की क्रूरता के संबंध में एक कथा भी प्रचलित है जो इस प्रकार है शनिदेव के वयस्क होने पर इनके पिता ने चित्ररथ की कन्या से इनका विवाह कर दिया। इनकी पत्नी सती साध्वी और परम तेजस्विनी थी। एक रात वह ऋतु स्नान करके पुत्र

प्राप्ति की इच्छा से इनके पास पहुंची, पर श्रीकृष्ण के परम भक्त शनिदेव भगवान के ध्यान में निमग्न थे। इन्हें बाह्य संसार की जैसे कोई सुध ही नहीं थी। पत्नी प्रतीक्षा करके थक गयी। उसका ऋतुकाल निष्फल हो गया। इसलिये उसने क्रुद्ध होकर शनिदेव को शाप दे दिया कि आज से जिसे तुम देख लोगे, वह नष्ट हो जायगा। ध्यान टूटने पर शनिदेव ने अपनी पत्नी को मनाया। उन्होंने अपनी पत्नी की इच्छा तो पूरी कर दी लेकिन चूंकि उनकी पत्नी पतिव्रता एवं धार्मिक महिला हैं, इसलिए उनका शाप निष्फल नहीं जा सकता। कहा जाता है कि तभी से शनिदेव किसी पर भी दृष्टिपात करने से बचते हैं। ज्योतिष में शनि को ठण्डा ग्रह माना गया है, जो बीमारी, शोक और आलस्य का कारक है। लेकिन यदि शनि शुभ हो तो वह कर्म की दशा को लाभ की ओर मोड़ने वाला और ध्यान व मोक्ष प्रदान करने वाला है। इनकी शान्ति के लिये मृत्युंजय जप, नीलम-धारण तथा ब्राह्मण को तिल, उड़द, भैंस, लोहा, तेल, काला वस्त्र, नीलम, काली गौ, जूता, कस्तूरी और सुवर्ण का दान देना चाहिये।

क्या है हिंदू देवियों का रहस्य

हिंदू धर्म की प्रमुख त्रिदेवियों में से एक माता सरस्वती को ज्ञान की देवी माना गया है। हंस पर विराजमान मां सरस्वती ने धवल वस्त्र धारण किए हैं। सरस्वती के हाथ वीणा के वरदंड से शोभित हैं। संगीत, कला, शिक्षा और ज्ञान की देवी हैं सरस्वती। सरस्वती के नाम पर ही एक नदी का नाम सरस्वती था, जो प्राचीनकाल में शिवालिक की पहाड़ियों से निकलकर हरियाणा और राजस्थान में बहती थी और सिंधु खाड़ी में समाहित हो जाती थी।

माता लक्ष्मी - भगवान विष्णु की पत्नी और ऋषि भृगु की पुत्री देवी लक्ष्मी त्रिदेवियों में से एक हैं, जो धन और समृद्धि को देने वाली मानी गई हैं। लक्ष्मी माता का वाहन उल्लू है और वह लक्ष्मी क्षीरसागर में भगवान विष्णु के साथ कमल पर वास करती हैं। लक्ष्मीजी को 2 रूपों में पूजा जाता है, श्रीरूप और लक्ष्मी रूप। इनका विशेष दिन शुक्रवार को माना गया है। भगवती लक्ष्मी के 18 पुत्र कहे गए हैं जिसमें प्रमुख हैं, आनंद, कर्दम, श्रीद और चिक्लीत। गायत्री- गायत्री नाम से ऋवेद में एक सबसे लंबा छंद है। गायत्री को आद्यशक्ति प्रकृति के 5 स्वरूपों में एक माना गया है। यही वेद माता कहलाती हैं। किसी समय ये सविता देव की पुत्री के रूप में अवतीर्ण हुई थीं इसलिए इनका नाम सावित्री पड़ गया। इनका विग्रह तपाए हुए स्वर्ण के समान है। वेदों में अदिति के अलावा सविता का भी कई जगहों पर उल्लेख मिलता है। पद्म पुराण के अनुसार वज्रनाश नामक राक्षस का वध करने के पश्चात ब्रह्माजी ने संसार की भलाई के लिए पुष्कर में एक यज्ञ करने का फैसला किया। ब्रह्माजी यज्ञ करने हेतु पुष्कर पहुंच गए, लेकिन किसी कारणवश सावित्री जी समय पर नहीं पहुंच सकीं। यज्ञ को पूर्ण करने के लिए उनके साथ उनकी पत्नी का होना जरूरी था, लेकिन सावित्री जी के नहीं पहुंचने की वजह से उन्होंने एक कन्या गायत्री से विवाह कर यज्ञ शुरू किया। उसी दौरान देवी सावित्री वहां पहुंचीं और ब्रह्मा के बगल में दूसरी कन्या को बैठा देख क्रोधित हो गईं। उन्होंने ब्रह्माजी को श्राप दिया कि देवता होने के बावजूद कभी भी उनकी पूजा नहीं होगी, तब सावित्री से सभी देवताओं ने विनती की कि अपना श्राप वापस ले लीजिए, लेकिन उन्होंने नहीं लिया। जब गुस्सा ठंडा हुआ तो सावित्री ने कहा कि इस धरती पर सिर्फ पुष्कर में आपकी पूजा होगी। श्रद्धा - श्रद्धा कर्दम ऋषि एवं देवहूति की तृतीय कन्या थी। श्रद्धा का विवाह अंगिरा ऋषि के साथ हुआ था। अंगिरा और श्रद्धा से सिनीबाला, कुहु, राका एवं अनुमति नामक पुत्रियां तथा तथ्य और बृहस्पति नामक पुत्र हुए। बृहस्पति देवताओं के गुरु हैं। शचि - शचि स्कंद पुराण के पुलोमा पुत्री शचि का भी वेदों में उल्लेख मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार सतयुग में दैत्यराज पुलोम की पुत्री शचि ने देवराज इंद्र को पति रूप में प्राप्त करने के लिए ज्वालपाधाम में हिमालय की अधिष्ठात्री देवी पार्वती की तपस्या की थी। मां पार्वती ने शचि की तपस्या पर प्रसन्न होकर उसे दीप्त ज्वालेश्वरी के रूप में दर्शन दिए और शचि की मनोकामना पूर्ण की। जहां मां ने दर्शन दिए थे वह स्थान उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में है। यहां माता ज्वाला देवी का एक मंदिर है। देवी शचि को इंद्राणी कहा जाता है। इंद्राणी देवी शचि ने अपने पति इंद्र के हाथ में ब्राह्मणों द्वारा रक्षा सूत्र बंधवाया था। उन्होंने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि उस समय देवासुर संग्राम चल रहा था। रक्षासूत्र बांधकर जब इंद्र ने युद्ध किया तो वे विजयी हुए। कुछ लोगों का मानना है कि तभी से रक्षाबंधन का यह पर्व शुरू हुआ। सावित्री - ब्रह्मा की पत्नी का नाम सावित्री देवी है। ब्रह्मा ने एक और स्त्री से विवाह किया था जिसका नाम गायत्री है। सावित्री की एक पुत्री का नाम सरस्वती है।

Erosion of Ethics in the Age of Google

Atulya Loktantra

Ethics are generally the moral principles that govern our behavior. Precisely, ethics appear to be our actions that we believe to be correct. Old school guys seem to behave ethically as they were born and brought up when many smart gizmos had not seen light of the day. Unfortunately, in the age of Google, when electronic gadgets, artificial intelligence etc. have deeply embedded into the fabric of our lives, it's a reality that social media has significantly influenced our society; more so, adversely. Many lazy kids appear glued to mobile, PC or TVs and then they even avoid helping friends or family members. Young people and teenagers are mostly found busy online for their courseware but they tend to get distracted with unregulated dating apps, social-media apps, abusive gaming apps, betting apps and/or even adult sites. Once they adventure into the big-big world of Internet, they are more susceptible to unethical behavior and even ransomware attacks. People not only become mentally drained but they suffer from financial and/or relationship setbacks too. If you have read until this sentence, I guess that I can guarantee, "You might have come across some news regarding child abuse, gender abuse, depression among teenagers, or suicide by school going kids." Also it has often been seen that some mentally sick people get involved in racism, trolls, stalking, offensive naming, public-shamming, cyber-bullying, or breaching privacy to harass other social media users. They post inappropriate stuff and don't even regret sharing obscene pictures or videos with strangers. On the other hand, some people claim to be members of moral police and in the process they abuse law of land. This ethics' issue must be raised prominently in parliament and law needs to be passed to punish the guilty. Internet ban or jammers don't seem to be a permanent solution. NGOs, educational institutes, and social organizations too can do their bit in spreading awareness among masses or counseling the innocent victims of unethical cyber-crimes. Typical punishments, verbal reprimands or minor penalties can be a temporary measure in cases of minors where the crime is not serious. But we need to be proactive. Parents and teachers need to monitor every school or college going kid's daily activities and online interactions; specifically so, in those cities or towns where drug-abuse is also common. Other than facing ethical issues online during academic years, youngsters these days often face trouble that seem to be extensions of workplace romances or sexual harassment; where they get involved through computer-mediated communication in the era of Work From Home (WFH) projects. Cyber-police, some electronic-media channels, online news portals, and even print-media houses have now started coming up with news articles and webinars in order to spread awareness and prevent cyber frauds. They ask public not to get trapped in activities where password credentials or privacy gets compromised. More and more awareness campaigns need to be held at school or college level where even children can educate their less literate parents. If banking and insurance companies can get a chapter on "Cyber-Safety And Cyber Ethics" introduced at school or college level pan India, then it would definitely assist in curtailing menace. This way society can safeguard many unsuspecting citizens from becoming victims of unethical online practices. You might agree that around twenty five or thirty years ago, this was not an issue as our nation had landline phones only and mobile phones did not really exist. Virtual or Google age had just started spreading wings at that point in time. At present, several netizens or Googlers openly criticize others as if it is their birth right or they know everything. It seems that their ethics or moral values have eroded. They have become self-centered and this trend needs to be reversed. Citizens need to spread love, shun hatred, and stop cyber-bullying. We need to be social, caring, sympathetic and sensitive; in short, become a responsible human.

Vijay Gandhi

This is the impact that regular exercise has on your hair growth

Atulya Loktantra

Many people opt for a consistent workout regime to lose weight, build strength or reduce stress. You might not have heard of anyone exercising to get strong and shiny hair. Still, since exercise benefits your overall health, it is also great for your hair. Time to roll out the yoga mat if you are worried about hair loss. Here is how exercise can help. Exercise increases blood circulation in your body as well as oxygen supply to the blood cells. This benefits your hair follicles. For the unversed, a hair follicle is a tube-like structure (pore) that surrounds the root and strand of a hair. It is the opening on the surface of the skin through which hair grows. Healthy hair follicles allow your hair's growth phase to be longer. This will give your hair more time to grow. Almost any form of exercise can act as a stress reliever. Working out can boost your feel-good endorphins and distract you from daily worries. Stress is a contributing factor to hair loss and thinning. So when exercising helps drive away your stress, it also protects your hair from loss and thinning caused by stress. According to health experts, not all types of exercise are equally beneficial when it comes to benefitting hair growth. Aerobic or cardio exercise may be more beneficial than strength training geared towards hypertrophy. Hypertrophy training builds muscle by increasing the diameter of your muscle fibers. This type of muscle growth is directly linked to testosterone. Having high levels of testosterone may shrink your hair follicles and shortens the cycle of hair growth, as per health experts. If you are working out for your hair health, it is best to avoid multi-joint exercises that engage larger muscle groups and increase testosterone most, such as squats, deadlifts, and lunges.

Weight loss: Which cardio machine is the best in the gym?

Atulya Loktantra

Cardio workouts are believed to be the best workouts when it comes to losing weight. We are not discounting the benefits of strength training here but it is a known fact that cardio expedites the weight loss process. But when you enter a gym, you see so many options. From treadmill, elliptical, rowing machine, exercise bike, walking stairs.. We know they are all beneficial in their own way but when you are short on time, you must have wondered which machine should you hop on to get the most in a short time? Here we try to answerAs per fitness experts, each cardio machine in the gym has its set of pros and cons. However, they are unique to everyone. Your age, body function, injury, goal, mobility are some factors that should be taken into account while deciding which is the best machine for you and which is the one you should rather skip.As is well known, cardio machines are devised to offer cardiovascular health - which basically means that they spike your heart rate and work on your heart health and also help you build endurance. But there are some that will also help you build strength along with the classic cardio machine benefits. So once you decide whether you want to focus only on cardio workouts or want to combine it with strength training, the answer will be clearer to you.

Treadmill

Treadmill builds your cardiovascular health and endurance. It is not a great way to build muscles, but it can help you maintain what you have. It is important to work on your posture while walking or running on the treadmill to avoid falls or injury. It can help you burn fat but walking outside is definitely more joint-friendly.

Stationary bike

Using an exercise bike can help you build your lower body muscles, especially your quads and hamstrings, which basically gives you some strength training benefits too. However, people with weak joints should consider elliptical over this.

Elliptical machine

Elliptical is a great machine for beginners, especially for those who are healing from therapy. But again focus on your posture here, so you maintain your center of gravity on it.

Stair climber

The stair climber is a great machine to work on your glutes, quads as well as calves. It also helps to strengthen your muscles. If done right, it is one of the highest calorie burning machines. People with knee or hip issues should avoid this machine and head to the elliptical instead.

Rowing machine

Once you master the push and pull motion of the machine, it will not only provide cardio benefits but will also help in strengthening your upper and lower body. It is like a total body conditioning machine. Start slow so you gradually rise to the peak.

Recipes of healthy millet-based drinks and broths for summers

Atulya Loktantra

Summer is here and if you want to beat the heat for real, then instead of eating cold, packaged foods, opt for healthy millets with cooking properties. These include ragi (finger millets), jowar (sorghum) and kutki (little millets). Here are some refreshing drink and broth recipes for summers made from millets. These will also keep your gut healthy.

● Kutki broth?

Ingredients: 2 tbsp kutki, 2 tbsp green moong dal, 2 cloves, 1/4 cinnamon stick, 1/4 chopped carrot, 1/2 tsp coriander powder, salt and pepper to taste, 1/2 lemon, 1 tsp oil, few curry leaves, 1-2 green chillies, 3-4 cup water, 1 tsp mustard seeds, 1/4 turmeric powder, 1 finely chopped onion.

● How to make kutki broth?

Soak kutki (little millets) in water for at least 20 minutes. Once well-soaked, strain the water and let it dry. Next dry roast moong dal and coarsely grind it. Next, take a cooker on heat and add oil in it. Temper clove, cinnamon, curry leaves and mustard seeds. To this, add ginger paste, onion, green chili, carrot, turmeric powder and water. Next, add the millet and ground moong dal along with some salt, pepper and coriander powder. Let the mixture boil and then close the lid for two to three whistles. Strain the drink and add some lemon juice before serving. Serve in a bowl.

● Ambali or ragi malt?

Ingredients: 3 tbsp ragi or finger millet flour, 2 cup water, 1 cup buttermilk, salt as per taste, a big pinch of asafoetida, 1/2 onion finely chopped, 4 - 5 curry leaves.

● How to make ambali or ragi malt?

Take the sprouted ragi flour and mix it with water. Let the mixture cook in a pan until the colour of the flour darkens. Let this mixture cool down and then add buttermilk, cumin, salt and onions. Mix it well. For tempering, take a tempering pot and add mustard seeds to a little oil. When the seeds begin to sputter, add the curry leaves. Pour this tempering over the ragi malt and enjoy.

● Jowar drink

Ingredients: 1 cup whole jowar, salt to taste, 2 tbsp curd, 1 cup water.

● How to make jowar drink

Wash and soak the jowar in water for a day. Then, shade dry the jowar. Next, grind it in a mixer till it becomes coarse grains. Take 1-2 tsp of the jowar powder and add 1 cup water and bring it to boil. Let it cool down and then add some curd. Add salt to taste. Blend into a smooth consistency and enjoy.

COVID cases linked to Arcturus on rise; THESE are the two symptoms everyone needs to be careful about

Atulya Loktantra

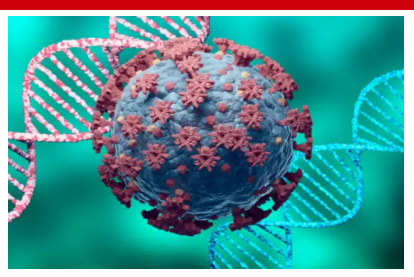

The sub variant of the recombinant variant of the Omicron is currently one of the 600 sub variants of the Omicron which is in circulation since early 2022. Infection cases linked to Arcturus are rising. The virus is prevalent in India and cases are increasing in the US as well. XBB.1.16 is nicknamed as Arcturus.

● In the US, Arcturus accounts for 11.7% of COVID cases currently?

As per the information available in the US CDC, Arcturus accounts for 11.7% of all the COVID cases and is second to XBB.1.5, which is behind 68.8% of COVID cases. Among the top variants of COVID circulating in the US are XBB.1.9.1, XBB.1.9.2, XBB, XBB.1.5.1 and FD.2. On April 17, the World Health Organisation (WHO) added XBB.1.16 as a variant of interest. Until then it was a variant under monitoring. "As of 17 April 2023, 3648 sequences of the Omicron XBB.1.16 variant have been reported from 33 countries," the WHO said.

● What are the symptoms??

High fever and pink eye are being reported in many COVID patients this time. These symptoms are particularly seen in kids. "Experts are warning that pink eye and high fever, two symptoms of the new variant, are particularly present among children," a FORBES report has said. Few weeks before, pediatrician Vipin M. Vashishtha had tweeted about this symptom seen in kids. Conjunctivitis is being seen in 42.8% of kids having COVID infection and is more prevalent among infants. The other symptoms are cough, runny nose, fever, loose stools and vomiting.

● The youngest infant was a 13 day old neonate!"?

As per Dr Vashishtha, the youngest infant to catch the virus was a 13 day old neonate. "Unlike the previous BA.2 Omicron wave, respiratory symptoms are predominating in young infants," he had tweeted. "One surprising finding, not seen in the previous waves, was the presence of itchy, non-purulent, conjunctivitis that was solely seen in infants. Conjunctival involvement is seen in 42.8% of affected infants," he has mentioned in another tweet.

● What are the symptoms seen in adults??

Adults, the majority of whom have been vaccinated against COVID at least once, are showing the classic signs of COVID which were seen in the last waves of infection. Body ache, fever, extreme muscle pain, abdominal discomfort, diarrhea like motion are commonly seen in people these days. "Current outbreak is causing a mild febrile illness, total duration of illness is only 1-3 days, young infants are disproportionately more affected than older children," Dr Vashishtha had tweeted. High fever is a characteristic of the infection caused by Arcturus. "XBB.1.16 may also be associated with a higher-grade fever than other variants," as per a report in GAVI quoting Matthew Binnicker, director of clinical virology at the Mayo Clinic in Rochester, US.

● Arcturus is rapidly outcompeting others in India"?

XBB.1.16 is behind the current surge of COVID infections in India currently. Few weeks ago the number of cases due to this variant went over 10,000 in a single day. As on May 1, a total of 4,282 new cases were recorded in the last 24 hours.

Arcturus is growing at a faster rate than other variants and is "rapidly outcompeting" others in India, The Independent quoted Virologist Dr Stephen Griffin from the University of Leeds.

The virologist expressed concern over the spread of the variant which is more concerning due to lack of genome sequencing and tracking. XBB.1.16 was first detected in India in January, 2023.

Doing this simple breathing exercise twice a day could slash your risk of Alzheimer's

Atulya Loktantra

Alzheimer's disease is a brain disorder that slowly destroys memory and thinking skills, and eventually, the ability to carry out the simplest tasks, according to the National Institute of Health, US. In most people with Alzheimer's, symptoms first appear later in life. In recent research, scientists have found a simple breathing exercise, regular practice of which may cut your risk of developing Alzheimer's.

● Breathing exercise to reduce your risk?

This exercise involves inhaling for a count of five and then exhaling for the same length of time. The researchers found that this breathing exercise, when practiced for 20 minutes twice a day and for four weeks, reduced the amount of amyloid beta in the participants' blood. For the unversed, amyloid refers to the abnormal fibrous, extracellular, proteinaceous deposits found in organs and tissues.

● How does it help??

Researchers have found that clumps of these toxic proteins have been heavily linked to Alzheimer's and may even cause the disease. Researchers believe this breathing exercise has such an effect on amyloid because the way we breathe affects our heart rate. This affects our nervous system and the way our brain produces and clears toxic proteins.

● About the study?

This simple breathing exercise was used in a study by experts at the University of Southern California's Leonard Davis School of Gerontology. The findings were published in the journal Nature Portfolio. The research included 108 participants between the ages of 18 to 30 and 55 to 80. They were asked to do this breathing exercise for 20 minutes twice a day while hooked up to a heart monitor connected to a laptop. One half of the participants were told to think of calming thoughts while doing their breathing. They were also instructed to keep an eye on the heart rate line on the laptop screen and ensure it is as steady as possible. The other half of the group were told to match their breathing to a pacer on the laptop screen monitor to increase their heart rate variability (HRV) — the fluctuation in the time intervals between adjacent heartbeats.

● About the findings?

Analysis shows that high levels of amyloid beta in the blood predicts a risk of developing Alzheimer's disease. The researchers found that the group that breathed slowly and tried to increase their heart rate variability by increasing oscillations had less amyloid in their blood.

नहीं लागू करेगी हरियाणा सरकार बिजली चोरी कर रहे किसानों पर 60 गुणा ज्यादा जुर्माने का प्रस्ताव

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में विद्युत विनियामक आयोग का वह फैसला लागू करने से मना कर दिया है, जिसमें बिजली चोरी करते पकड़े जाने वाले किसानों को 60 गुना ज्यादा जुर्माना देने का प्रस्ताव दिया गया है। हरियाणा सरकार ने कहा है कि राज्य विद्युत विनियामक आयोग की प्रत्येक सिफारिश अथवा फैसले को मानने के लिए राज्य सरकार बाध्य नहीं है। प्रदेश सरकार ने हालांकि किसानों से आग्रह किया है कि उन्हें भार मात्रा में सब्सिडी दी जा रही है, इसलिए बिजली चोरी करने से परहेज करना चाहिए, लेकिन साथ ही कहा है कि विद्युत विनियामक आयोग का फैसला नहीं माना जायेगा। हरियाणा में सरकार किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए सालाना छह हजार करोड़ रुपये से अधिक की बिजली सब्सिडी दे रही है। यानी किसानों को काफी सस्ती बिजली मिलती है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में किसान ऐसे हैं जो अवैध रूप से बिजली लेकर ट्यूबवेल चला रहे हैं। ऐसे किसानों पर बिजली चोरी करते पकड़े जाने पर ढाई लाख रुपये तक का जुर्माना वसूल करने का

प्रस्ताव राज्य विद्युत विनियामक आयोग ने दिया है। हालांकि आयोग के इन आदेश को लागू करने के लिए सभी चीफ इंजीनियर्स, अधीक्षण अभियंता, कार्यकारी अभियंता, एसडीओ और जेई को भेज दिया गया है, लेकिन जब इसका अंदर खाने विरोध आरंभ हुआ तो प्रदेश सरकार ने शनिवार रात को स्थिति साफ की। राज्य के बिजली मंत्री रणजीत चौटाला ने बताया कि धारा 108 के तहत प्रदेश सरकार को यह पावर है कि वह हरियाणा राज्य विद्युत विनियामक आयोग के किसी भी प्रस्ताव अथवा फैसले को लागू नहीं करें। किसानों पर जुर्माना राशि बढ़ाने के प्रस्ताव को इसी धारा के तहत पावर का इस्तेमाल करते हुए लागू नहीं करने का निर्णय लिया गया है। बिजली मंत्री ने बताया कि किसानों पर बिजली चोरी के संबंध में पुराने नियम ही लागू रहेंगे। पुराने नियमों में प्रावधान है कि प्रति पांच हार्स पावर बिजली की चोरी करने पर दो हजार रुपये जुर्माना वसूल किया जाता है। यदि 10 हार्स पावर तक बिजली की चोरी की जाये तो यह राशि 10 हजार रुपये हो जाएगी। इसलिए किसानों से पुरानी दरों पर ही जुर्माना वसूल किया जाना है। रणजीत चौटाला ने किसानों से आह्वान किया कि सरकार उन्हें सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराती है। इसलिए उन्हें बिजली की चोरी नहीं करनी चाहिये। बता दें कि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने प्रति यूनिट के हिसाब से जुर्माने की राशि तय की थी। कृषि क्षेत्र के लिए बिजली टैरिफ की दरें 6.62 रुपये प्रति यूनिट तय की गई हैं। इसी दर से जुर्माना राशि तय की जाएगी। इससे किसानों को करीब 60 गुना ज्यादा जुर्माना देना पड़ता।दूसरी तरफ किसानों को बिजली पर निर्भरता कम करने के लिए पीएम कुसुम योजना के तहत सौर ऊर्जा पंपों पर 75 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है। यानी किसान को केवल 25 प्रतिशत राशि का भुगतान अपनी जेब से करना होगा। प्रदेश सरकार ने साल 2026 तक पूरे प्रदेश में दो लाख से ज्यादा सौर ऊर्जा पंप सेट लगवाने का लक्ष्य रखा है।

बड़ी तोंद वाले पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच करें, गृह मंत्री विज ने जारी किया आदेश

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने गृह विभाग को एक आदेश जारी किया है. इसमें कहा गया है कि जितने भी ओवरवेट पुलिसकर्मी हैं और जिनकी तोंदे बड़ी-बड़ी हो गई है, उन्हें पुलिस लाइन में ट्रांसफर किया जाए. साथ ही ऐसे पुलिसकर्मियों की पुलिस लाइन में बकायदा प्रोटोकॉल बनाकर रोजाना एक्सरसाइज और परेड कराई जाए। फिट हो जाने के बाद उनको फील्ड में लगाया जाए. गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रवास के दौरान उन्होंने देखा कि पुलिस वाले बहुत मोटे-मोटे थे. उनसे चला भी नहीं जा रहा था. फिर

मैंने सोचा कि इनकी फिटनेस करवानी चाहिए. इसलिए मैंने गृह विभाग को लिखा है कि जितने भी ओवरवेट पुलिसकर्मी हैं. साथ ही जिनकी तोंदे बड़ी-बड़ी हो गई है, उन्हें पुलिस लाइन में ट्रांसफर किया जाए। विज ने कहा पुलिसकर्मी सुबह से शाम तक सड़क पर या किसी वीआईपी के आने पर ड्यूटी देते थे. इस दौरान वे कर्मी वहां से भोजन खाने के लिए घर या मेस में नहीं जा सकते थे. उन्होंने कहा कि सड़क पर ड्यूटी देने वाले ऐसे पुलिसकर्मियों के भोजन की व्यवस्था उनके द्वारा करवाई गई है, ताकि उनको मौके पर ही भोजन मिल सकें। इसी प्रकार पुलिस और पब्लिक में रिलेशनशिप ठीक करने के लिए हर जिले में कमेटियां मैंने बनवाई हैं. पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नियमित तौर पर पुलिस और पब्लिक की मीटिंग होती रहनी चाहिए, ताकि लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री एक व्यक्ति को बचाने में लगे हुए हैं. इस पर विज ने कहा कि मैंने पहले भी कई बार कहा है कि राहुल गांधी को तो अडानिया फीवर हो गया है. वह हर वक्त चिल्लाते रहते हैं अडानी-अडानी. अरे भाई बताओ तो सही, क्या दिया और कैसे किया. जनता को यह भी तो बताओ या फिर तुमने यह सोच लिया कि भाषण देकर हिंदुस्तान की जनता को गुमराह करते रहोगे।

डीसी विक्रम सिंह ने जिला में आयोजित होने वाली हरियाणा लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए फाइनल रिहर्सल में दिए टिप्स

जिला फरीदाबाद में 89 केंद्रों पर 2 शिफ्टों में आयोजित की जाएगी एचसीएस की लिखित परीक्षाएं

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने जिला में आयोजित होने वाली हरियाणा लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए फाइनल रिहर्सल में टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में जिला फरीदाबाद में एचपीएससी द्वारा 21 मई को 89 केंद्रों पर 2 शिफ्टों में एचसीएस की लिखित परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। डीसी विक्रम सिंह ने आज शुक्रवार को दो सेक्टर-12 के कन्वेंशन हॉल में जिला में 21 मई को हरियाणा लोक सेवा आयोग/ एचपीएससी द्वारा आयोजित की जाने वाली एकेडमी परीक्षा को सुनियोजित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैदी से कार्य करने के टिप्स दे रहे थे। सेक्टर-12 के कन्वेंशन हॉल में एचपीएससी के सदस्य पवन कुमार की अध्यक्षता में रिहर्सल का आयोजन किया गया। जहां

उन्होंने परीक्षा के सफल संचालन के लिए आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को टिप्स देकर सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार दिशा निर्देश दिए। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि एचसीएस परीक्षाओं यह काफी संवेदनशील कार्य है जिसे सभी अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ करना है। वहीं परीक्षा की पवित्रता तथा कानून व्यवस्था स्थापित करने के लिए केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट, ट्रांजिट ऑफिसर एवं लोकल इंस्पेक्टिंग ऑफिसर की नियुक्तियां की गई हैं। वहीं अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश ना हो। परीक्षा के लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग/ एचपीएससी ने जो नियम निर्धारित किए हैं, उनका दृढ़ता से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी को कोई शंका हो तो उसे समय रहते दूर कर लें। उन्होंने बताया कि 21मई रविवार को हरियाणा लोक सेवा आयोग की परीक्षा 2 शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिला में 89 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जहां एचपीएससी की एकेडमीक परीक्षाएं दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहला चरण प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक व दूसरा चरण दोपहर 03 बजे से सायं 05 बजे तक होगा। एचपीएससी के सदस्य पवन कुमार ने फाइनल रिहर्सल में एचपीएससी द्वारा परीक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 21मई को होने वाली लिखित परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी ले। परीक्षा केन्द्रों पर शौचालयों आदि तमाम सभी व्यवस्थाओं को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि 21मई रविवार को हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा फरीदाबाद में एचसीएस एण्ड एलाइड - 2023 की लिखित परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जहां लिखित परीक्षा के आयोजन के लिए जिला फरीदाबाद में 89 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। लिखित परीक्षा के सफल आयोजन के लिए अन्य अधिकारियों द्वारा सभी ऑफिसर एवं मजिस्ट्रेट को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि एचपीएससी की हिदायतों के अनुसार परीक्षाओं में कोताही बरतने वाले लोगों के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। परीक्षा केंद्रो में केवल ड्यूटी देने वाले अधिकारी अंदर जा सकते हैं। इसके अलावा कोई भी अधिकारी परीक्षा केंद्रो के अन्दर जाने पर यूपीएससी द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार पूर्णतया पाबंदी है। फाइल रिहर्सल में पुलिस विभाग के एसीपी हैडक्वाटर अमन कुमार ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों और अन्य अधिकारियों के लिए पुलिस फोर्स की ड्यूटिया लगा दी गई है। वहीं परीक्षा केन्द्रों पर महिला पुलिस फोर्स की ड्यूटी लगाई गई है। एसडीम बल्लभगढ़ कम नोडल अधिकारी त्रिलोक चंद, नगर निगम ज्वाइंट कमिश्नर शिखा, सीटीएम अमित मान, आरटीए सेक्रेटरी जितेंद्र गहलावत, एसीपी अमन यादव , ज़िला शिक्षा अधिकारी मुनेश चौधरी व परीक्षाओं में लगी ड्यूटी के विभिन्न अधिकारी गण उपस्थित रहे।

नेत्र जांच शिविर में 250 लोगों ने कराई आंखों की जांच

50 लोगों का मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए चयन हुआ

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। जवाहर कॉलोनी स्थित श्री राम मंदिर परिसर में शनिवार को नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। भाटिया सेवक समाज के सहयोग से लगाए गए शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ और उनकी टीम ने 250 से अधिक लोगों की आंखों की निशुल्क जांच की। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के प्रधान राम जुनेजा ने बताया कि लगभग 50 मरीजों का मोतियाबिंद का निशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। भाटिया सेवक समाज के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में मरीजों को चश्मे और दवाई भी मुफ्त प्रदान की गई। प्रधान श्री जुनेजा ने बताया कि अब हर महीने मंदिर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा ताकि क्षेत्र के लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। भाटिया सेवक समाज के प्रधान मोहन सिंह भाटिया ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के शिविर लगाए जाएंगे ताकि बुजुर्ग जोकि बिना उपचार के अपनी आंखे गंवा देते है वह बच सकें। इस मौके पर पं. अमित शास्त्री, धर्मेन्द्र कुमार, अमित चक्रवर्ती, राहुल कथूरिया, लोकेश गुप्ता का विशोष सहयोग रहा।

बच्चों को केवल प्यार दे वाहन बिल्कुल नहीं: देवेंद्र सिंह

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। उपायुक्त एवं चेयरमैन विक्रम सिंह के आदेशानुसार व प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण फरीदाबाद जितेंद्र कुमार गहलावत डीटीओ एवं डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन के निर्देशनुसार एवं सरदार देवेंद्र सिंह स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार मेंबर ऑफ़ पार्लिमेंट भारत सरकार के सदस्य के मार्गदर्शन, ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद,रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी फरीदाबाद ,रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) एवं के एल मेहता दयानंद पब्लिक स्कूल,5 नंबर एनआईटी फरीदाबाद की पूरी टीम ने शुक्रवार को 7वें यूनाइटेड नेशन ग्लोबल सड़क सुरक्षा सप्ताह पर विशेष अभियान के एल मेहता दयानंद पब्लिक स्कूल,5 नंबर एनआईटी फरीदाबाद में चलाया गया सड़क सुरक्षा पर सभी बच्चों ने मिलकर एक रैली निकाली गयी एवं सभी बच्चों ने अपना अपना सदेश सड़क पर खड़े होकर सड़क सुरक्षा के बोर्ड ,स्लोगन एवं पेंटिंग के

माध्यम से दिया गया जिस में सब इंस्पेक्टर ट्रैफिक ताऊ वीरेंदर वलहारा ने सभी बच्चों को सड़क सुरक्षा एवं दुर्गा शक्ति अप के बारे बताया कि दुर्गा शक्ति अप डाउनलोड करे अगर कही भी कोई समस्या सड़क पर बेटिओ को आती है दुर्गा शक्ति अप का बटन रेड दबा दे पुलिस जल्द आपके पास लोकेशन पर आ जाएगी आप सभी बच्चे बहुत ही अच्छे है आप हमेशा ही जेबरा क्रॉसिंग पर ही रुके एवं पैदल सवारियों को समझाया कि आपका जीवन बहुत ही अनमोल है हर एक मिनट में एक एक्सीडेंट व तीन मिनट में मौत हो जाती है इसलिए सड़क हमेशा ध्यान पूर्वक पार करें उल्टी दिशा में बिल्कुल ना चलें दुपहिया वाहन पर दोनो हेलमेट आई एस आई मार्क ही लगाए। इस समय पूरा शहर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है इसलिए सड़क नियम बिल्कुल ना तोड़े वरना आपके घर पोस्टल चालान आपके घर पहुँच सकता है सड़क सुरक्षा मोटर व्हीकल एक्ट 2019 के बारे में आम जनता को जानकारी दी बिना हेलमेट चल रहें वाहन चालकों को रोक कर समझाया ओर बताया गया की आपके घर पर आपका परिवार इंतज़ार कर रहा है इसलिए अपनी जान की क़ीमत को हमेशा ही समझे रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) के डायरेक्टर बलजीत सिंह ने कहा आप सभी बच्चे ज्यादा से ज्यादा बच्चों एवं लोगों को ट्रैफिक के नियम के बारे में जागरूक करें सड़क सुरक्षा पर सभी बच्चों ने मिलकर रैली निकाली बच्चों को बताया गया कि हमेशा अपनी साइड में चले एवं साइकिल भी अपनी साइड में चलाये जिसमें आम जनता को नए मोटर व्हीकल एक्ट 2019 के बारे में बताया गया इस अभियान में सभी बच्चों × सभी टीचर को बताया गया कि सभी स्कूल के बच्चे ऑटो एवं मारुती वैन के अंदर में ज्यादा बिलकुल ना बैठे ,भारत सरकार के द्वारा 15 फरवरी 2023 से 4 साल के सभी बच्चों को भी हेलमेट पहनना पुरे देश एवं प्रदेश में अनिवार्य कर दिया गया है और सभी बच्चो को एवं बड़े को भी आई एस आई मार्क हेलमेट ही पहनना अनिवार्य है। इसलिए सभी माँ बाप अपने अपने बच्चों को हेलमेट अबश्य ही सड़क पर चलते समय पहनाएं आप अपनी अपनी कार के अंदर आगे पीछे सीट बेल्ट लगाकर ही चलें, दोनों सवारियों को हेलमेट पहनना जरूरी है, हाई सिक्योरिटी प्लेट अपनी अपनी गाड़ियों में लगाकर रखें, अपनी अपनी गाड़ियों के आगे फास्ट टैग लगाकर चलें अगर आपकी गाड़ी में फास्ट टैग नहीं है तो आपको डबल जुर्माना नेशनल हाईवे पर आप सभी को भरना पड़ेगा।

बच्चों का सर्वांगीण विकास ही सच्ची शिक्षा: डी. सी विक्रम सिंह

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। रावल शिक्षण संस्था द्वारा आयोजित स्कॉलर्स अवार्ड सेरेमनी में मुख्य अतिथि विक्रम सिंह, आई0 ए0 एस0, उपायुक्त फरीदाबाद ने रावल शिक्षण संस्था के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सच्ची शिक्षा का मतलब केवल उच्च अंक प्राप्त करना नहीं है बल्कि अंकों के साथ सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास ही सच्ची शिक्षा है। विद्यार्थी चूहा दौड़ में न पड़ कर अपनी मूलभूत शक्तियों को पहचानते हुए आगे अपने करियर का चुनाव करें ताकि आगे चल कर अपने कार्य में आनंद ले सकें। इस अवसर पर उपायुक्त ने रावल शिक्षण संस्था के मेधावी छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी भेंट कर पुरस्कृत किया तथा उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। पुरस्कृत होने वाले विद्यार्थियों में रावल शिक्षण संस्था में सर्वोच्च अंक प्राप्त वाले छात्र-छात्राएं शामिल हैं। जिनमे कक्षा बारहवीं में पूजा गर्ग 98प्रतिशत कॉमर्स संकाय, प्रशस्ति मैथिल 97.6प्रतिशत मानविकी संकाय, तनिष 97.4प्रतिशत विज्ञान

नॉन-मेडिकल, आदर्श 96प्रतिशत मेडिकल संकाय, प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त 95प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 18 विद्यार्थियों तथा 90प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 84 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कक्षा दसवीं में ज्ञान प्रकाश को 98.4प्रतिशत अंक, देवेश कुमार को 97 प्रतिशत अंक, तथा शिवम् शर्मा को 96.6प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर पुरस्क्रत किया गया। इस समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता पण्डित टिपरचन्द शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि दिनेश रघुवंशी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। रावल शिक्षण संस्था के चेयरमैन सी0 बी0 रावल व प्रो-चेयरमैन अनिल रावल ने सभी अतिथियों का फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया तथा बच्चों को पुरस्कृत कर मनोबल बढाने के लिए सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। सी0 बी0 रावल ने कहा कि रावल शिक्षण संस्था द्वारा संचालित सभी स्कूल उत्तम शिक्षा के अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष बल देते हैं। जो विद्यार्थी खेल जगत में अपना करियर बनाना चाहते हैं उनको विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। क्रिकेट, तीरंदाजी, बास्केट बॉल, वॉली बॉल, एथलेटिक्स आदि खेलों का प्रशिक्षण विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के द्वारा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त मेधावी छात्रों को शतप्रतिशत स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

विधायक राजेश नागर ने निगम अधिकारियों संग की बैठक

बोले, मुझे अपने क्षेत्र के लोगों को सुविधा देनी है और यह काम उपलब्ध कराना आपकी जिम्मेदारी है

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। विधायक राजेश नागर ने आज अपने निवास पर नगर निगम के अधिकारियों संग महत्वपूर्ण बैठक की। नागर ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि वह क्षेत्र के विकास में लगें क्योंकि क्षेत्र को विकास देना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस बैठक को एक दिन पहले जिला समीक्षा बैठक में नागर द्वारा सख्ती बरते जाने की कड़ी में जोडकर देखा जा रहा है। विधायक राजेश नागर ने नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि जहां जहां टेंडर हो गए हैं वहां काम जल्द शुरू करें और जहां के काम रुके हुए हैं, उन कामों को भी तेजी से पूरा करें। नागर ने कहा कि इसके बाद कई ऐसे काम हैं जहां फंड की कोई दिक्कत नहीं है वहां के टेंडर तुरंत करवाएं जिससे कि जनता को फीलगुड आ सके। इसके बाद जो मैंने काम बताए हैं उनके प्राथमिकता के आधार पर एस्टीमेट बनवाएं। विधायक राजेश नागर ने कहा कि

आप लोग काम करें या अपना तबादला करवा लें क्योंकि सस्पेंड होकर जाना आपको अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन क्षेत्र का विकास नहीं हो रहा है, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा है और न ही जनता इसे पसंद कर रही है। विधायक राजेश नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास के रास्ते खोले हुए हैं। उनका तिगांव विधानसभा क्षेत्र को भी पूरा आशीर्वाद है लेकिन यदि यहां से फाइलें आगे नहीं जाएंगी तो उनको मंजूरी कैसे मिलेगी। नागर ने कहा कि बिना भेदभाव के सबका साथ सबका विकास की योजना तो यही है कि अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास खुद चलकर पहुंचे। ऐसे में आपको विकास को गति देनी ही होगी। विधायक राजेश नागर ने बताया कि आज नगर निगम के अधिकारियों संग बैठक हुई है जिसमें उन्हें विकास कार्यों को तेज करने के लिए कहा गया है, वहीं अब हर हफ्ते किसी न किसी विभाग के अधिकारियों संग बैठक करेंगे। जिससे जनता की सभी मांगों को जल्द पूरा किया जा सकेगी। इस अवसर पर नगर निगम के अधीक्षण अभियंता ओमबीर सिंह, कार्यकारी अभियंता ओमदत्त, सीएचडी राजेश नंदन, एसडीओ संदीप राठी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

डा. आदिश के सुप्रीम कोर्ट बार एसो. के प्रधान बने पर फरीदाबाद में अधिवक्ता विकास वर्मा ने मिठाई बांटी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रधान डॉक्टर आदिश चन्द्र अग्रवाल के चुनाव जीतने पर फरीदाबाद के वकीलों ने मिठाइयां बांटी। पूर्व सहायक एडवोकेट जनरल विकास वर्मा को वकीलों ने मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस मौके पर विशेष रूप से जिला बार एसोसिएशन के प्रधान राजेश बैंसला एडवोकेट एवं जेपी अधाना, पूर्व प्रधान ओ.पी. शर्मा, सचिव ओमदत शर्मा, एडवोकेट भारत भूषण चंदीला, सतेंद्र अधाना, सीनियर एडवोकेट आर पी वर्मा, एडवोकेट डी.के. गोसाई, जोगिंदर यदुवंशी, रमेश टंडन, मनीष वर्मा, कुंवर राकेश, राजीव गिल, कु. दलपत, राजेंद्र शर्मा, रविंद्र गुप्ता, धीरज अधाना, राजेश खटाना, सुनील नागर, संदीप पाराशर, हेमराज कपासिया, दिनेश तोमर, सत्येन्द्र दुगगल, दीपक दायमा, सरवजीत सरधाना, महेंद्र गर्ग, नरेंद्र पाराशर, तरूण गुप्ता, देवेंद्र कुमार, देवेंद्र तेवतिया, सुधाकर मुदगिल, हेमंत शर्मा, महेश यादव, नरेश कुमार,

जसवंत पंवार, ललित बैंसला, सतेंद्र रावत, मुकेश कुमार एवं वकील काफी संख्या में मौजूद रहे। आदिश सी अग्रवाल सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट और सीनियर एडवोकेट को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारी समिति के प्रेसिडेंट के रूप में चुना गया है। आदिश को विकास वर्मा एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट एंव भारतीय विधि संस्थान के सदस्य तथा पूर्व सरकार के सहायक एडवोकेट जनरल ने बधाई दी। सीनियर एडवोकेट ने जीत हासिल करने के लिए तीन वकीलों और चार सीनियर एडवोकेट को पछाड़ा है। उनके निकटतम दावेदार सीनियर एडवोकेट दुष्यंत दवे थे, जिन्होंने 2021 में अपने इस्तीफेतक प्रेसिडेंट का पद संभाला था। अग्रवाल को 668 वोट मिलें, जबकि दवे को 477 वोट मिले। सीनियर एडवोकेट राजेश कुमार खन्ना 426, रंजीत कुमार 304 और अजीत कुमार सिन्हा 144, अगले तीन सर्वश्रेष्ठ दावेदार थे। कार्यकारी समिति के पदों के लिए बुधवार को सीनियर एडवोकेट वी गिरी की अध्यक्षता वाली चुनाव समिति की देख-रेख में मतदान संपन्न हुआ। चुनाव में प्रेसिडेंट पद के लिए आठ सदस्य, वाइस प्रेसिडेंट पद के लिए दस, सेक्रेटरी पद के लिए आठ, ज्वाइंट सेक्रेटरी के लिए सात, कोषाध्यक्ष के लिए पांच और संयुक्त कोषाध्यक्ष के लिए छह ने चुनाव लड़ा था।

पावन सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में हुआ शनि देव की विशाल चौकी का हुआ भव्य आयोजन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। न्याय के देवता कहे जाने वाले शनि देव का जन्म ज्येष्ठ अमावस्या को हुआ था. इस वर्ष शनि जयंती 19 मई के दिन शुक्रवार को मनाई गई शनिदेव जयंती के इस पवन अवसर पर कल रात पावन सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में शनिदेव की विशाल चौकी का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथित के तौर पर स्लेजहैमर आयल टूल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के एमडी प्रदीप मोहंती, प्रिंस राज भाटिया दंपत्ति व बडख़ल से विधायक सीमा त्रिखा मौजूद रहे। शनि जयंती के पावन अवसर पर प्रदीप मोहंती व प्रिंस भाटिया ने भगवान शनि की पूजा आराधना की। शनि देव की पूजा आरती के बाद पावन सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में बने सनातन धर्म सीनियर सेकेंडरी स्कूल का भी दौरा किया। इस दौरान प्रदीप मोहंती ने स्कूल के साथ जुड़कर काम करने की भी इच्छा जताई। वहीं बात करें शनि देव की चौकी की तो इस आयोजन में फरीदाबाद की कई हस्तियां व पूर्व महापौर अशोक अरोड़ा के निमंत्रण पर विधायक सीमा त्रिखा, केसी लखानी, पूर्व मंत्री एसी चौधरी, शक्ति सेवादल के प्रधान मोहन अरोड़ा व सैकड़ों की तादाद में भक्तजन शनिदेव की विशाल चौकी में पधारे व भगवान शनि देव के सामने नतमस्तक हुए। वहीं शनिदेव की विशाल चौकी में विशेष आकर्षण का केंद्र रही श्री शनिदेव महाराज जी की अद्भुत लीला, शनि जयंती के इस मौके पर पूर्व मेयर अशोक अरोड़ा ने कहा कि तीनो युगों में शनि देव की महिमा का गुणगान होता आया है।